संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-20 अंक- 331
पृष्ठ 8
गुरुवार
22 अगस्त 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- चाहकर भी मीठा खाने पर...

विचार- झारखंड में खेला करती...

खेल- यूएई में होगा विमेंस टी२० वर्ल्ड...

हिंदुओं के हत्यारे के लिए अखिलेश का छलका दर्द, लेकिन बाबूजी की पुण्यतिथि पर चुप : योगी

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ में सीएम योगी ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधा। सीएम ने कहा सपा मुखिया के मुंह से श्रद्धेय बाबूजी की पुण्यतिथि पर एक शब्द नहीं निकला। जबकि सैकड़ों हिंदुओं के हत्यारे के लिए दर्द छलक गया। दुर्दांत माफिया (मुख्तार अंसारी) की कब्र पर फातिहा पढ़ने पहुंच गए। यही है इनका पीडीए। योगी ने कहा जातीयता का जहर घोलने वाले लोग सामाजिक ताने बाने को छिन्न भिन्न करने वाले हैं। अयोध्या में राम भक्तों का लहू बहाने वाला दिन काला दिन था। 6 दिसंबर, 1992 के दिन केंद्र की सरकार ने बाबूजी को गोली चलाने को कहा था। उन्होंने मुख्यमंत्री पद को त्यागकर ऐसा नहीं किया। हिंदू धर्म कोई जाति, मत और मजहब नहीं है। ये भारत के

एकात्मकता की गारंटी है। जब तक सनातन धर्म मजबूत रहेगा, कोई भी ताकत छिन्न-भिन्न नहीं कर सकती है। सीएम योगी लखनऊ इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित हिंदू गौरव दिवस कार्यक्रम में बोल रहे थे। डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने फिर से सीएम योगी की तारीफ की। उन्होंने कहा हमारे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में न राष्ट्र भक्ति से कोई समझौता है और न ही राम भक्ति से। अगर बाबूजी (कल्याण सिंह) मुख्यमंत्री न होते तो अयोध्या का कलंकित ढांचा कभी नहीं गिरता। केशव ने कहा- बाबूजी ने उसी समय कहा था कि अगर कुर्सी जाती है तो जाए लेकिन राम भक्तों को खरोंच भी नहीं आने दूंगा। देश विरोधी शक्तियां संकरी हो रही हैं, क्या हमें उन्हें बढ़ने देना चाहिए? हर राम भक्त और राष्ट्र भक्त को बाबूजी की पुण्यतिथि पर प्रण लेना चाहिए कि विरोधी शक्तियों के जहर फैलाने का कोई असर नहीं होने देना है। सीएम योगी ने कहा अलीगढ़ में जन्मे बाबूजी ने चुनौतियों का मुकाबला किया। किसान, शिक्षक, स्वयंसेवक और भाजपा कार्यकर्ता के रूप में काम किया, फिर मुख्यमंत्री बने। उन्होंने शून्य से शिखर तक का सफर तय किया। बाबूजी कांग्रेस की दमनकारी नीतियों के खिलाफ आवाज उठाने वाले इंसान थे। वो दो बार यूपी के मुख्यमंत्री बने, फिर हिमाचल और राजस्थान के राज्यपाल के रूप में संवैधानिक पद का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया। योगी ने कहा कल्याण सिंह कोई व्यक्ति अचानक बन जाता है। कल्याण सिंह बनने के लिए चुनौती का मार्ग चुनना पड़ता है। त्याग और बलिदान करना पड़ता है। जब त्याग और बलिदान का जज्बा होता है, तो दुनिया की कोई ताकत आपको झुका नहीं सकती।उन्होंने कहा बाबूजी राम जन्मभूमि आंदोलन के मार्ग से तनिक भी नहीं हटे। लगातार उसके लिए काम करते रहे और परिणाम हमारे सामने हैं। जब रामलला विराजमान हुए तो पूरे भारत में जश्न मनाया गया, लेकिन इसकी शुरुआत तब हुई थी, जब बाबूजी ने कहा था कि सरकार जाए तो जाने दिया जाए. लेकिन राम भक्तों पर गोली नहीं चलाएंगे। सीएम ने कहा आज हम हिंदू गौरव दिवस के रूप में बाबूजी की पुण्यतिथि मना रहे हैं, क्योंकि उनका जीवन भारत की राष्ट्रीयता के लिए समर्पित था।

प्रौद्योगिकी का गलत इस्तेमाल विनाशकारी हो सकता है : मुर्मु

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा है कि प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल सतत विकास और सार्वजनिक हित के लिए किया जाना चाहिए क्योंकि इसका गलत इस्तेमाल विनाशकारी हो सकता है। श्रीमती मुर्मु ने बुधवार को हरियाणा के फरीदाबाद में जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के 5वें दीक्षांत समारोह में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि अभी पूरा विश्व चौथी औद्योगिक क्रांति के युग में है। भारत भी इस क्रांति की चुनौतियों का सामना करने और अवसरों का लाभ उठाने के लिए तैयार है। इस राष्ट्रीय लक्ष्य को हासिल करने में जेसी बोस यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी जैसे संस्थानों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होगी। राष्ट्रपति ने कहा कि तकनीक के विकास से प्रगति के कई रास्ते खुल गये हैं। उदाहरण के लिए, दूरदराज के इलाकों में इंटरनेट

की पहुंच ने ऑनलाइन रोजगार के कई अवसर पैदा किए हैं लेकिन हमें यह याद रखना चाहिए कि प्रौद्योगिकी का उपयोग उचित और सतत विकास तथा सार्वजनिक हित के लिए किया जाना चाहिए। इसका गलत इस्तेमाल विनाशकारी हो सकता है। श्रीमती मुर्मु ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि इस विश्वविद्यालय ने पिछले कुछ वर्षों में कई औद्योगिक और शैक्षणिक संस्थानों के साथ समझौते किए हैं। कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने छात्रों को प्रशिक्षित करने के लिए इस विश्वविद्यालय के परिसर में उत्कृष्टता केंद्र भी स्थापित किए हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि इन सभी प्रयासों के सकारात्मक परिणाम आएंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि इस विश्वविद्यालय का नाम महान वैज्ञानिक और आधुनिक विज्ञान के प्रणेता जगदीश चंद्र बोस के नाम पर रखा गया है, जो संभवतः दुनिया के पहले वैज्ञानिक थे जिन्होंने वैज्ञानिक रूप से साबित किया कि पेड़-पौधों में भी भावनाएं होती हैं।

फिर मुश्किल में आप सांसद संजय सिंह, यूपी कोर्ट ने दो दशक पुराने मामले में गिरफ्तारी का दिया आदेश

लखनऊ, एजेंसी। सुल्तानपुर की एक अदालत ने मंगलवार को आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह के दो दशक पुराने मामले में पेश न होने पर कड़ी आपत्ति जताई और पुलिस को उन्हें 28 अगस्त को गिरफ्तार कर पेश करने का आदेश दिया। 13 अगस्त को सिंह, सपा नेता अनूप सांडा और चार अन्य के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया गया था, जिसकी सुनवाई मंगलवार को होनी थी। हालांकि आरोपी अदालत में पेश नहीं हुए। अदालत के एक अधिकारी ने बताया कि

अदालत ने पुलिस को सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर 28 अगस्त तक अदालत में पेश करने का निर्देश दिया है। छह आरोपियों की ओर से पेश हुए मदन सिंह ने कहा कि सिंह और सांडा की जमानत याचिका इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ में दायर की गई है, जिस पर 22 अगस्त को सुनवाई होगी। यह मामला 19 जून 2001 का है, जब शहर के सब्जी मंडी क्षेत्र के पास एक ओवरब्रिज के पास पूर्व सपा विधायक अनूप सांडा के नेतृत्व में खराब बिजली आपूर्ति को लेकर प्रदर्शन किया गया था। इस प्रदर्शन में संजय सिंह के साथ पूर्व पार्षद कमल श्रीवास्तव, विजय कुमार, संतोष और सुभाष चौधरी ने हिस्सा लिया था। इन सभी के खिलाफ कोतवाली नगर थाने में मामला दर्ज किया गया था। 11 जनवरी 2023 को विशेष मजिस्ट्रेट योगेश यादव ने सभी छह को दोषी करार देते हुए तीन महीने की सजा सुनाई थी। 9 अगस्त को छहों को एमपी/एमएलए कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया गया था। जब वे पेश नहीं हुए तो विशेष मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा ने सभी के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर दिया।

मोदी पोलैण्ड-यूक्रेन की तीन दिवसीय यात्रा पर रवाना

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पोलैण्ड और यूक्रेन की तीन दिवसीय ऐतिहासिक यात्रा पर बुधवार को रवाना हो गए। श्री मोदी के विशेष विमान ने साढ़े नौ बजे उड़ान भरी। वह स्थानीय समयानुसार दोपहर दो बजे वारसा मिलिट्री एयरपोर्ट पर उतरेंगे। प्रधानमंत्री सबसे पहले नवानगर के जाम साहेब के स्मारक तथा मोन्टे कैसिनो एवं कोल्हापुर स्मारक पर जा कर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। स्थानीय समयानुसार शाम साढ़े सात बजे श्री मोदी भारतीय समुदाय के एक कार्यक्रम में शिरकत करेंगे।

कोलकाता बलात्कार और हत्या मामला: एम्स ने डॉक्टरों से काम पर लौटने की अपील की

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता में एक प्रशिक्षु डॉक्टर के कथित बलात्कार और हत्या के मामले को लेकर एम्स समेत प्रमुख अस्पतालों के रेजिडेंट डॉक्टर बुधवार को हड़ताल पर रहे, जिससे दो सप्ताह तक वैकल्पिक सेवाएं बाधित रहीं। इससे पहले, एम्स के रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए) ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर देश भर में स्वास्थ्य सेवा कर्मियों और संस्थानों की सुरक्षा के लिए अध्यादेश के माध्यम से एक केंद्रीय कानून बनाने के लिए हस्तक्षेप करने की मांग की थी। एम्स प्रशासन ने बुधवार को प्रदर्शनकारी डॉक्टरों से काम पर लौटने का आग्रह किया क्योंकि ओपीडी सेवाएं लगातार दूसरे सप्ताह भी प्रभावित रहीं। बंगाल में कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में एक प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ कथित बलात्कार और हत्या की घटना के विरोध में जूनियर चिकित्सकों का प्रदर्शन बुधवार को 13वें दिन भी जारी रहा, जिससे सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं बुरी तरह प्रभावित रहीं।

राजनाथ चार दिन की यात्रा पर अमेरिका जाएंगे

नयी दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन के निमंत्रण पर 23 से 26 अगस्त तक अमेरिका की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। श्री सिंह अपने अमेरिकी समकक्ष

ऑस्टिन के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। वह राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों के लिए राष्ट्रपति के सहायक जेक सुलिवन से भी मुलाकात करेंगे। उनकी यात्रा भारत-अमेरिका संबंधों में बढ़ती गति और कई स्तरों पर रक्षा संपर्कों की पृष्ठभूमि में हो रही है। इस यात्रा से भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के और घनिष्ठ तथा व्यापक बनने की उम्मीद है। श्री सिंह अमेरिकी रक्षा उद्योग के साथ मौजूदा और भविष्य के रक्षा सहयोग पर एक उच्च स्तरीय गोलमेज बैठक की भी अध्यक्षता करेंगे। यात्रा के दौरान वह भारतीय समुदाय के साथ बातचीत भी करेंगे।

एफएआईएमए ने सुप्रीम कोर्ट में दायर की याचिका, डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए तत्काल उपाय करने की मांग

नयी दिल्ली, एजेंसी।फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन (FAIMA) ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया और कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ क्रूर बलात्कार और हत्या के मामले में हस्तक्षेप और निर्देश के लिए एक तत्काल आवेदन दायर किया। एफएआईएमए प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, एसोसिएशन ने रेजिडेंट डॉक्टरों के कामकाजी माहौल पर विचार करने और इस आश्वासन के लिए भारत के मुख्य न्यायाधीश की सराहना की कि सुप्रीम कोर्ट हमारी कामकाजी परिस्थितियों और सुरक्षा में सुधार पर विचार कर रहा है।

इस दुखद घटना के कारण देश भर में विरोध प्रदर्शन हुआ और देश भर में स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएँ पैदा हुईं। एफएआईएमए की याचिका में डॉक्टरों, विशेषकर महिलाओं के लिए बढ़ी हुई सुरक्षा और बेहतर कामकाजी परिस्थितियों की सख्त जरूरत पर प्रकाश डाला गया है, जिन्हें अपनी ड्यूटी के दौरान लगातार खतरों का सामना करना पड़ता है। एफएआईएमए द्वारा अनुरोधित प्रमुख हस्तक्षेपों और निर्देशों में तत्काल सुरक्षा उपाय शामिल हैंरू संवेदनशील अस्पताल क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरों की स्थापना और कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न अधिनियम, 2013 का अनुपालन सुनिश्चित करना, जिसमें 24ग7 संकट कॉल सुविधा भी शामिल है। इसमें आगे राष्ट्रीय टास्क फोर्स को शामिल करने का उल्लेख किया गया है जिसमें वास्तविक समय सुरक्षा मुद्दों को संबोधित करने और व्यापक दिशानिर्देश तैयार करने के लिए राष्ट्रीय टास्क फोर्स में रेजिडेंट डॉक्टरों का प्रतिनिधित्व किया जाएगा।

बिहार: भारत बंद के दौरान पटना में लाठीचार्ज

पटना, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय के अनुसूचित जाति (एससी) के आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू करने के निर्णय के विरोध में दलित संगठनों की ओर से आज आहूत एकदिवसीय भारत बंद के दौरान बिहार की राजधानी पटना में पुलिस को लाठीचार्ज करनी पड़ी वहीं प्रदर्शनकारियों ने आरा, दरभंगा और मधुबनी में ट्रेन को रोककर प्रदर्शन किया। पटना में बुधवार को प्रदर्शनकारी महेंद्रू से डाकबंगला चौराहा पहुंचे, जहां पुलिस ने उन्हें आगे जाने से रोकने के लिए बैरिकेडिंग की थी। लेकिन प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग तोड़ दी। इसके बाद पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए वाटर कैनन का प्रयोग किया। लेकिन, प्रदर्शनकारियों के नहीं मानने के बाद पुलिस को लाठीचार्ज करनी पड़ी। समस्तीपुर से यहां प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार, बंद

समर्थकों ने समस्तीपुर रेल मंडल के दरभंगा एवं मधुबनी समेत विभिन्न स्थानों पर रेल ट्रैक को जाम कर ट्रेनों का परिचालन बाधित किया। इधर आरक्षण बचाव संयुक्त संघर्ष मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने समस्तीपुर शहर के जिला समाहरणालय के पास मुख्य मार्ग को जाम किया, जिसके कारण समस्तीपुर-दरभंगा और समस्तीपुर-पटना मुख्य मार्ग पर घंटों यातायात बाधित रहा। समस्तीपुर जिला परिषद् के पूर्व सदस्य एवं वरिष्ठ दलित नेता संजय राम के नेतृत्व में जिले के पटोरी के चंदन चौक पर भी मुख्य मार्ग को जाम कर प्रदर्शन किया गया। श्री राम ने कहा कि देश में दलितों को आपस में लड़ाकर आरक्षण छीनने की साज़िश चल रही है, जिसे कतई बर्दाश्त नही किया जायेगा। आरा में प्रदर्शनकारियों ने गाड़ी संख्या 01663 रानी कमलापति-सहरसा एक्सप्रेस को रोक दिया। प्रदर्शनकारी रेलवे ट्रैक पर बैठकर प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं, औरंगाबाद में बाजार बंद कराने के लिए प्रदर्शनकारियों ने दुकानदारों के साथ मार पीट की। गया से यहां प्राप्त सूचना के मुताबिक गया शहर में भी बंद समर्थकों ने जमकर प्रदर्शन किया। हालांकि विधि व्यवस्था कायम रखने के लिए शहर के विभिन्न चौक चौराहों पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। प्रदर्शन में शामिल राष्ट्रीय जनता दल (राजद) विधायक सतीश कुमार दास ने कहा कि न्यायालय के द्वारा आरक्षण का वर्गीकरण किया जा रहा है। यह कहीं से सही नहीं है।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने भाजपा को बताया जहर, बोले-

इसे चाटकर ना देखें, परिणाम सब जानते हैं

मुंबई, एजेंसी। मुंबई में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर आयोजित एक कार्यक्रम मेंभाजपा पर परोक्ष हमला किया और कहा कि पार्टी एक जहर है जिसे पूरी तरह से खत्म करने की जरूरत है। 'सद्भावना दिवस' के रूप में मनाए गए इस कार्यक्रम में शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भाग लिया और कांग्रेस को भाजपा की तुलना में बेहतर सहयोगी बताया। ठाकरे ने पहली बार कांग्रेस का स्टोल पहना, जो राजनीतिक गठबंधनों में बदलाव का संकेत था। खड़गे ने भाजपा पर नकारात्मक प्रभाव डालने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा जहर की तरह है। इसका स्वाद चखने

की जरूरत नहीं है क्योंकि हम इसके परिणाम जानते हैं। इसे पूरी तरह से खत्म करने की जरूरत है। उन्होंने भाजपा को संविधान में संशोधन करने से रोकने के लिए महाराष्ट्र विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने राज्य सभा सहित विधायी प्रभाव बनाए रखने के लिए राज्य विधानसभा चुनाव जीतने के महत्व को रेखांकित किया। खड़गे ने वक्फ भूमि के लिए संशोधन विधेयक और अनुबंध के आधार पर लेटरल एंट्री जैसे उदाहरणोंका हवाला दिया और कहा, ष्उन्होंने लेटरल एंट्री के फैसले को वापस ले लिया क्योंकि आप मजबूत हैं।

प्रयागराज में कोचिंग की दूसरी मंजिल से कूदी छात्रा, मौत

पिता बोले- 3 छात्रों ने मेरी बेटी को मारा पीटा, दीवार में रगड़ा, बेइज्जती के डर से जान दी

दिपाली त्रिपाठी, मृतका

प्रयागराज। प्रयागराज में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाली छात्रा ने कोचिंग सेंटर की दूसरी मंजिल से छलांग लगा दी। देर रात उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। छात्रा के पिता ने लड़कों पर कर्नलगंज थाने में FIR दर्ज कराई।

उन्होंने आरोप लगाया कि चारों ने कोचिंग के सामने बेटी को पीटा। मोबाइल तोड़कर थप्पड़ मारे। दीवार से सिर रगड़ दिया। बेइज्जती के डर से बेटी छत से कूद गई। मामला कर्नलगंज थाने से 200 मीटर दूर क्लाइमेक्स कोचिंग का है।

छात्रा ने घर पर कहा– किताब लेकर आती हूं

भदोही जिले के ऊंज थाना क्षेत्र के रहने वाले भूपेंद्र त्रिपाठी परिवार सहित अल्लापुर में किराए पर रहते हैं। वह तीर्थ पुरोहित का काम करते हैं। उनके एक बेटा और तीन बेटियां हैं। तीसरे नंबर की बेटी दिपाली त्रिपाठी (22) प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करती थी।

किताब लेने गई थी बेटी

छात्रा के पिता भूपेंद्र त्रिपाठी ने FIR में बताया– अस्पताल में बेटी ने बताया कि सौरभ सिंह और उसके दोस्त उसे कई दिन से परेशान कर रहे थे। बेटी 20 अगस्त की सुबह साढ़े 10 बजे अल्लापुर से यूनिवर्सिटी रोड पर किताब लेने गई थी, तभी सौरभ और दोस्त आ गए।

कोचिंग के बाहर बेटी से मारपीट की

बेटी का पीछा करने लगे। आरोपियों से बचने के लिए बेटी कटरा में क्लाइमेक्स कोचिंग के पास पहुंच गई, लेकिन आरोपी पीछे–पीछे वहां भी पहुंच गए। उन्होंने कोचिंग के बाहर ही बेटी के साथ मारपीट शुरू कर दी। उसका मोबाइल भी तोड़ दिया।

आरोपियों से बचने के लिए बेटी कोचिंग के छत पर भागी, लेकिन आरोपी वहां भी पहुंच गए। इसके बाद बेटी छत से कूद गई। घटना ब्ब्ज्ट में कैद हो गई है। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि छात्रा और एक आरोपी छात्र तीन साल करीबी रिश्तों में थे। दोनों के बीच प्रेम संबंध की बात भी कही जा रही है।

कोचिंग की तरफ भागकर पहुंची लड़की और छत की ओर भागी

क्लाइमेक्स कोचिंग के मैनेजर मो. शाहरुख ने बताया– कोचिंग के बाहर लड़की से लड़के झगड़ा कर रहे थे। अचानक लड़की कोचिंग की तरफ भागकर आई। गार्ड वीरबल ने रोकने की कोशिश की। लेकिन लड़की उसे इग्नोर करती छत की ओर भाग गई और छत से कूद गई।

उन्होंने बताया– रक्षा बंधन के चलते कोचिंग 3 दिन से बंद चल रही थी। घटना का ब्ब्ज्ट हमारे पास है। उनके बातचीत की रिकार्डिंग भी है।

एक छात्र हिरासत में, अन्य से पूछताछ

कर्नलगंज इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार सिंह ने बताया– कोचिंग की छत से कूद कर जान दी। घरवालों की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है। एक छात्र को हिरासत में लिया गया है। कोचिंग की बिल्डिंग में जाने से पहले छात्रा से मारपीट हुई थी, इसे लेकर कई छात्रों से पूछताछ हुई है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

सपा नेता आजम खान मामले में आज हाईकोर्ट में सुनवाई

हेट स्पीच मामले में मिली है सजा, जेल में बंद सपा नेता ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में की है अपील

प्रयागराज। जेल में बंद सपा नेता आजम खान की क्रिमिनल रिवीजन याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में आज सुनवाई होगी। रामपुर में सीएम योगी, डीएम और अन्य अधिकारियों के खिलाफ सपा नेता आजम खान द्वारा दी गई हेट स्पीच के मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई होनी है।

हेट स्पीच मामले में आजम खान ने रामपुर एमपी–एमएलए सेशन कोर्ट द्वारा अपील खारिज होने के बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट में फैसले के खिलाफ याचिका दाखिल की है। जस्टिस समित गोपाल की सिंगल बेंच मामले में सुनवाई करेगी।

पिछली सुनवाई में इलाहाबाद कोर्ट ने आजम खान के वकील को जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए एक हफ्ते का समय दिया था। हाईकोर्ट ट्रायल कोर्ट का रिकॉर्ड भी तलब कर चुका है।

आजम को मिली है दो साल कैद की सजा

23 जनवरी 2024 को एमपी–एमएलए सेशन कोर्ट ने आजम खान द्वारा ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली अपील खारिज कर दी थी। रामपुर एमपी–एमएलए ट्रायल कोर्ट ने 15 जुलाई 2023 को सपा नेता को नफरती भाषण देने का दोषी मानते हुए दो साल की कैद और 2500 रुपये जुर्माना अदा करने सजा की सुनाई थी।

ट्रायल कोर्ट के फैसले के खिलाफ सपा नेता ने एमपी–एमएलए सेशन कोर्ट में अपील दायर की थी। 23 जनवरी 2024 को एमपी–एमएलए सेशन कोर्ट ने नफरती भाषण के मामले में आजम खान को कोई राहत न देते हुए ट्रायल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए अपील को खारिज किया था।

2019 के लोकसभा चुनाव में रामपुर के शहजादनगर थाने में आजम खान के खिलाफ हेट स्पीच का मामला दर्ज किया गया था।

लोकसभा चुनाव के दौरान आठ अप्रैल 2019 को सपा नेता आजम खां ने रामपुर के शहजादनगर थाना क्षेत्र के धमोरा गांव में सीएम योगी और डीएम व अन्य अधिकारियों के खिलाफ नफरती भाषण दिया था।

इस हेट स्पीच का वीडियो वायरल होने के बाद दस अप्रैल 2019 को एडीओ कोऑपरेटिव अनिल कुमार चौहान ने आजम खान के खिलाफ शहजादनगर थाने में नफरती भाषण देने का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया था।

पुलिस ने धारा 171 जी, 505 (1) (बी) आईपीसी व 125 लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत केस दर्ज किया था। इस मुकदमे के आधार पर शहजादनगर पुलिस ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी। ट्रायल कोर्ट ने सुनवाई के बाद 15 जुलाई 2023 को सपा नेता को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई थी।

खेल–खेल में ट्रैफिक रूल्स सिखाता प्रयागराज का पार्क

रोड एक्सीडेंट रोकने की पहल, जानिए यूपी के पहले चिल्ड्रन ट्रैफिक पार्क की खासियत

प्रयागराज। प्रयागराज में यूपी का पहला चिल्ड्रन ट्रैफिक पार्क बनकर तैयार है। धोबी घाट चौराहे पर यह पार्क बिल्कुल अनूठे अंदाज में तैयार किया गया है। इसमें बच्चे अपने पैरेंट्स के साथ सिर्फ घूमने ही नहीं बल्कि कुछ सीखने भी आते हैं। यह एक ऐसा पार्क है, जो खेल–खेल में ट्रैफिक नियमों के बारे में पूरी जानकारी भी देता है। रोड एक्सीडेंट रोकने की यह एक पहल है।

हरे भरे पेड़ों के बीच गो–कार्टिंग (छोटे खुले पहिए वाली इलेक्ट्रिक गाड़ी) ड्राइव कर रहे बच्चों को ट्रैफिक नियमों के बारे में भी समझाया जाता है। इस पार्क में 4 चौराहे बनाए गए हैं जहां पर रेड, ग्रीन व येलो लाइटें भी लगाई गई हैं, जिस पर गाड़ी रोकनी होती है। ट्रैफिक नियमों से संबंधित सांकेतिक चिह्न, स्पीड आदि के बारे में बताया गया है।

नियम तोड़ा तो देना होगा जुर्माना

दरअसल, इस पार्क को प्रयागराज विकास प्राधिकरण की ओर से तैयार किया गया है। इस पार्क में रेड, ग्रीन, येलो सिग्नल के साथ जेब्रा क्रासिंग, लेफ्ट–राइट टर्न, स्पीड संबंधित साइनेज भी लगाए गए है।

ड्राइव करने के पहले ट्रैफिक नियमों के बारे में बताया जाता है। ड्राइव करते समय यदि ट्रैफिक नियमों को तोड़ा गया तो प्रतीकात्मक जुर्माना भी लगेगा।। इतना ही नहीं जो भी सभी नियमों का पालन करते हुए ड्राइविंग करता है तो उसे पुरस्कृत भी किया जाएगा।

बनाया गया है शानदार थिएटर

इस पार्क में प्रवेश करते ही एक शानदार मोशन थिएटर बनाया गया है। इसमें 32 सीट हैं। इसमें ट्रैफिक नियमों के बारे में 15–15 मिनट का वीडियो दिखाया जाएगा।

यह कार्टून आदि की तरह तैयार किया गया है। फुल ।ब वाले इस थिएटर में सिनेमा वाली फीलिंग आती है। इस पार्क में खेलने के अन्य साधन भी उपलब्ध हैं। इसके साथ ही शानदार कैंटीन की भी व्यवस्था की गई है।

यूरोप की थीम पर तैयार कर दिया पार्क

ट्रैफिक पार्क का संचालन तीन दोस्तों ने किया है। इसमें हनी शर्मा, तनवीर अंसारी व सौहार्द प्रवीन शामिल हैं। यह तीनों बचपन के दोस्त हैं और तीनों मिलकर यह चला रहे हैं।दरअसल, इस पार्क की रूपरेखा सौहार्द ने बनाई थी। सौहार्द बताते हैं कि उनकी बहन यूरोप में पढ़ाई करती थी और वह यूरोप गए हुए थे।

वहां पर उन्होंने इस तरह ट्रैफिक चिल्ड्रन पार्क देखा और वह भा गया। इसके बाद यहां वापस आने के बाद इस दिशा में काम करना शुरू कर दिए। पीडीए वीसी अरविंद चौहान से मुलाकात की, तो उन्हें भी इस तरह का पार्क पसंद आ गया।

सिर्फ पूंजीपतियों को बढ़ाने में लगी है भाजपा

प्रयागराज में सपा के प्रदेश अध्यक्ष बोले– शिक्षक भर्ती मामले में पिछड़ा और दलितों की हुई जीत

प्रयागराज। सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल दो दिवसीय दौरे पर प्रयागराज में हैं। फूलपुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव को लेकर वह सरायइनायत में कार्यकर्ताओं के बीच पहुंचे। यहां उन्होंने भाजपा सरकार पर निशाना साधा। कहा कि "भाजपा देश और प्रदेश में पूंजीपतियों को बढ़ाने में लगी है जबकि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव किसानों, नौजवानों, महिलाओं सहित आम आदमी के विकास और हित की बात को लेकर संघर्ष कर रहे हैं।"

शिक्षक भर्ती मामले में कोर्ट के आदेश का स्वागत

सपा प्रदेश अध्यक्ष ने शिक्षक भर्ती मामले में कोर्ट के आदेश का स्वागत करते हुए इसे पात्र, पिछड़ा और दलित वर्ग के लोगों की जीत बताया है जिन्होंने अपने अधिकारों के लिये लंबा संघर्ष किया।

कहा कि यदि प्रदेश कि भाजपा सरकार की नियत साफ हो तो भर्तियों में आरक्षण कोटा पूरा करे ताकि आरक्षित वर्ग को न्याय मिल सके केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों में महत्वपूर्ण पदों पर लेटरल इंट्री के जरिए भर्ती कर खुलेआम संविधान की धज्जियां उडाने का आरोप लगाते हुए कहा कि पिछड़ों और दलित समाज के साथ बड़े पैमाने पर साजिश कर उनके अधिकारों को छिना जा रहा है।

प्रयागराज में रायफल लेकर दौड़ाने वाले सपा नेता पर एफआईआर

अमरनाथ मौर्या ने सपा के टिकट पर फूलपुर से लड़ा था चुनाव, वीडियो हुआ था वायरल

प्रयागराज। पार्क की जमीन कब्जा करने के मामले में हुए विवाद के बाद सपा नेता अमरनाथ मौर्या के खिलाफ धूमनगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज हुई है। साथ ही उनके अज्ञात साथियों पर केस दर्ज हुआ है। सपा नेता व अन्य के खिलाफ एफआईआर धूमनगंज थाने के दरोगा कुलदीप उपाध्याय की ओर से दर्ज कराई गई है। दरोगा ने एफआईआर में लिखा है कि सोशल मीडिया, एक्स आदि प्लेटफार्म पर वीडियो वायरल हुआ जिसमें सपा नेता रायफल लेकर दौड़ा रहे हैं। कर्मचारी और जेसीबी वाले भाग रहे हैं। मामला धूमनगंज थाना क्षेत्र के प्रीतम नगर का है।

हालांकि सपा नेता पर मुकदमा दर्ज कराने के लिए भारतीय किसान यूनियन के लोग देर रात तक धूमनगंज थाने में जमा रहे। उन्हें मुकदमे का आश्वासन मिला था तभी वह हटे थे। अब पुलिस का कहना है कि वीडियो आदि की जांच की जा रही है। साथ ही पार्क का विवाद क्या है, कौन सी जमीन कब्जे को लेकर हंगामा हुआ इसकी जांच भी की जा रही है।

अमरनाथ मौर्या लोकसभा चुनाव में फूलपुर सीट से सपा के प्रत्याशी थे। वह भाजपा के प्रवीण पटेल से चुनाव हार गए थे। इसके पहले अखिलेश यादव ने उन्हें विधानसभा चुनाव में टिकट दिया था लेकिन विवाद के बाद टिकट कट गया था। अमरनाथ मौर्या केशव मौर्या के भी करीबी रहे हैं।

जानिये क्या हुआ था हंगामा, वायरल हुआ था वीडियो

प्रयागराज में एक सपा नेता की गुंडई का मामला सामने आया है। उसका एक वीडियो सामने आया है। जिसमें वह नगर निगम के कर्मचारियों को राइफल लेकर दौड़ा रहा है। इस घटना का वीडियो भारतीय किसान यूनियन ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। साथ ही बताया है कि प्रयागराज में सपा नेता की गुंडई का यह हाल है।

वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय लोगों ने रात में थाने का घेराव किया। सपा नेता के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

पार्क पर कब्जे को लेकर काफी दिनों से चल रहा विवाद

प्रयागराज शहर के धूमनगंज थाना क्षेत्र के प्रीतम नगर इलाके के एक पार्क पर कब्जे को लेकर काफी दिनों से विवाद चल रहा है। भारतीय किसान यूनियन टिकैत संगठन ने आंदोलन चलाया। इसके बाद मंगलवार को नगर निगम प्रयागराज की टीम ने जेसीबी, बुलडोजर के जरिय पार्क के मलबे को हटवा दिया। निगम की गाड़ियों से मलबा हटाया जाने लगा।

इसी दौरान सपा नेता अपने समर्थकों के साथ पहुंचे और हंगामा कर दिया। वीडियो में नजर आ रहा है कि वह निगम कर्मियों को राइफल लेकर दौड़ा रहे हैं। भारतीय किसान यूनियन के युवा प्रदेश अध्यक्ष अनुज सिंह ने इसका वीडियो शेयर किया है साथ ही अल्टीमेटम दिया है कि वह थाने का घेराव कर दबंगई करने वालों के खिलाफ केस दर्ज कराएंगे।

प्रयागराज में बसपा–सपा का प्रदर्शन

भारत बंद के समर्थन में निकाला जुलूस, बाजार पर असर नहीं, वकीलों ने की नारेबाजी

प्रयागराज। सुप्रीम कोर्ट के SC/ST आरक्षण के वर्गीकरण के पक्ष में फैसले के बाद बहुजन समाज पार्टी(ठैच) और दलित संगठनों के भारत बंद पर प्रयागराज में कई जगह विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। बसपाइयों ने पार्टी मुख्यालय से जुलूस निकाला है। वहीं सपा नेता भी भारत बंद में समर्थन में उतर आए हैं। सपाइयों ने भी जुलूस निकाल कर प्रदर्शन किया। सपा नेता नारेबाजी करते हुए डीएम कार्यालय पहुंचे और ज्ञापन दिया।

सपा नेताओं का कहना है कि अखिलेश यादव के निर्देश पर वह विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। साथ ही प्रयागराज में कुछ वकीलों ने भी प्रदर्शन कर नारेबाजी की। काफी संख्या में वकील भी डीएम कार्यालय पहुंच गए। बसपा की ओर से शहर और देहात में प्रदर्शन किया जा रहा है।

भारत बंद के मद्देनजर प्रशासन ने सुरक्षा इंतजाम बढ़ा दिए हैं। डीएम कार्यालय, कचहरी, सिविल लाइंस, इविवि रोड समेत अन्य जगहों पर पुलिस, आरएएफ की तैनाती है। अधिकारी गश्त कर रहे हैं।

वॉट्सएप ग्रुप, फेसबुक, एक्स पर बसपा नेताओं के कमेंट्स आ रहे हैं। डॉ. अम्बेडकर वेलफेयर नेटवर्क (डान) संस्थापक रामबृजि गौतम का कहना है कि झंडे और बैनर के साथ अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के पुरुष और महिलाएं प्रदर्शन करेंगे।

प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल में छत से टपक रहा पानी

इमरजेंसी सर्जिकल वार्ड की स्थिति बदतर, भर्ती मरीजों को हो रही परेशानी

प्रयागराज। प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल में रेजिडेंट डॉक्टर लगातार 10 दिनों से कार्य बहिष्कार हैं। वहीं दूसरी तरफ अस्पताल के वार्डों की स्थिति भी दयनीय है। इमरजेंसी सर्जिकल वार्ड की स्थिति यह है कि यहां कई महीनों से फाल सीलिंग से पानी टपक रहा है। पानी वार्ड के अंदर न फैले इसके लिए कर्मचारियों ने डस्टबिन रख दिए।

सालों से नहीं चली एसी फिर कहां से आ रहा पानी

यहां इमरजेंसी सर्जिकल मेल और फीमेल दोनों अलग–अलग वार्ड हैं। कुछ कर्मचारियों ने बताया कि यह एसी का पानी टपक रहा है। जबकि हकीकत तो यह है कि इस वार्ड का एसी पिछली बार कब चला था यह तो यहां के कर्मचारियों को भी नहीं पता। वह भी खराब हो चुकी है। मेल वार्ड में पूरी तरह फाल सीलिंग ही क्षतिग्रस्त है यह मरीजों पर कब गिर जाए, यह नहीं कहा जा सकता है।

कहने के लिए बाथरुम, कहां जाएं मरीज?

एसआरएन अस्पताल के इन दोनों वार्ड में कहने के लिए तो बाथरुम बने हैं लेकिन इसे लाइन से जोड़ा ही नहीं गया। अब यहां भर्ती मरीज कहां जाएं? मरीज इसकी शिकायत अस्पताल के स्टाफ से तो करते रहते हैं लेकिन उनकी सुने कौन। ज्यादा जोर देने पर मरीज को ही रेफर कर देने की बात की जाती है इसलिए मरीज विवश होकर उसी वार्ड में ही पड़ा रहता है।

प्रयागराज में करंट लगने से युवक की मौत

हाईटेंशन तार टूटकर गिरने से हुआ हादसा, परिजनों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का लगाया आरोप

प्रयागराज। प्रयागराज के मेजा में बिजली का करंट लगने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। परिजनों ने बिजली विभाग के कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया है। मामले में पुलिस को तहरीर दी गई है।

हाईटेंशन तार गिरने से हुआ हादसा

बसहरा गांव निवासी किसान शिव शंकर (31) बीती रात को खंभे से बिजली का जर्जर हाईटेंशन तार टूट कर गिरने से उसकी चपेट में आ गया। परिजन फिर भी उपचार के लिए अस्पताल ले गए। जहां पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

कई घरों ने उतरा करंट

ग्रामीणों सहित मृतक के परिवार वालों का आरोप है कि बिजली का तार कई दिनों से जर्जर था। कर्मचारियों को सूचना दी गई थी। विभाग की लापरवाही के कारण ही यह घटना हुई है। पड़ोस के लोगों का कहना है कि बीती रात में 5 घरों में बिजली का करंट उतर आया था। इसी वजह से यह घटना घटित हुई है।

परिजनों ने पुलिस को दी तहरीर

मृतक शिव शंकर के 3 बच्चे और पत्नी निशा का रो–रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों व बसहरा प्रधान ओमप्रकाश पाल की सूचना पर पहुंचे थाना प्रभारी मेजा राजेश उपाध्याय ने शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। मामले में मेजा थाना प्रभारी राजेश उपाध्याय ने बताया कि शव पोस्टमॉर्टम को भेजकर जांच की जा रही है। मृतक के घर वालों ने तहरीर दी है।

प्रयागराज में पति–पत्नी ने एक साथ किया सुसाइड

एक ही साड़ी के फंदे से लटके मिले दंपती, पुलिस को बिना सूचना दिए किया अंतिम संस्कार

प्रयागराज। हंडिया इलाके के मुंगराव गांव में एक नवविवाहित दंपती ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। पति–पत्नी ने साड़ी का फंदा बनाकर छत के पंखे से लटककर जान दी है। परिवार वालों ने पुलिस को सूचना दिए बिना ही शवों का अंतिम संस्कार कर दिया।

रविंद्र सिंह उर्फ विपिन (26) की शादी नेहा सिंह (23) निवासी गांव रैपुरा तनरिया थाना मेजा के साथ हुई थी। मंगलवार को दोनों पति–पत्नी अपने कमरे में फंदे से लटके पाए गए। एक ही साड़ी से बने 2 फंदों से दोनों के शव लटके मिले। रविंद्र सिंह वाराणसी में एक प्राइवेट इंश्योरेंस कंपनी में नौकरी करते थे। घटना के बाद परिवार के लोगों ने पुलिस को सूचना न देकर विवाहिता के परिजनों की सहमति से दोनों के शवों का अंतिम संस्कार कर दिया।

संक्षिप्त

महिला को दबंग युवकों ने पीटा,अकेली देखकर अश्लील कमेंट किया

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में त्रिवेणीनगर तृतीय में मंगलवार रात महिला को दबंगों ने बीच सड़क पर जमकर पीटा। बीच बचाव करने वालों को भी धमकी दी। बुधवार सुबह मारपीट से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो गया। जिसके बाद पुलिस वीडियो के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है। त्रिवेणीनगर तृतीय निवासी महिला ने पुलिस को बताया है कि मंगलवार रात वह दूध खरीदने जा रही थी। दुकान के पास ही इलाका का श्यामू राजपूत और उसका दोस्त श्रवण खड़ा था। उन लोगों ने मुझे देखते हुए अश्लील कमेंट किया। विरोध करने पर गाली–गलौज करते हुए बीच सड़क पिटाई कर दी। यही नहीं राहगीरों ने बीच बचाव करने पर उन्हें भी धमकी दी। इस बीच महिला के परिवार वाले भी आ गए। जिन्हें देख कर आरोपी भाग निकले। मारपीट के वायरल वीडियो में दो युवक महिला पर हमला करते दिख रहे हैं। जिन्हें आसपास के लोग रोकने की कोशिश कर रहे हैं। पीड़िता ने अलीगंज थाना में दो लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। अलीगंज इंस्पेक्टर सुनील तिवारी ने बताया कि महिला के साथ मारपीट करने वालों की तलाश की जा रही है।

हिन्दू महासभा के प्रदेश अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी आज अयोध्या में

आयोजन स्थल पहुंचकर अधिवेशन की तैयारियों को देंगे अन्तिम रूप

लखनऊ, एजेंसी। अखिल भारत हिन्दू महासभा, त्रिदंडी के आगामी 25 अगस्त को होने जा रहे राष्ट्रीय और प्रान्तीय अधिवेशन की तैयारियों को अन्तिम रूप देने के लिये प्रदेश अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी कल 22 अगस्त को रामनगरी अयोध्या पहुंच रहे है। हिन्दू महासभा के प्रान्तीय कार्यालय के मुताबिक दोपहर दो बजे के बाद प्रदेश अध्यक्ष के पहुंचने की उम्मीद है, जहां वे आयोजन स्थल पर पहुंच कर अधिवेशन की तैयारियों को अन्तिम रूप देंगे और वहां की जिला एवं नगर इकाईयों के पदाधिकारियों और आयोजन की तैयारी में लगे आयोजकों से भी मुलाकात करेंगे। मालूम हो कि इस अधिवेशन में देश के विभिन्न राज्यों से काफी संख्या में प्रमुख नेता एवं कार्यकर्ता पहुंच रहे है। रामनगरी अयोध्या में 25 अगस्त को होने जा रहे राष्ट्रीय एवं प्रान्तीय अधिवेशन में मथुरा, काशी, लक्ष्मण टीला समेत बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हुये हमलों सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर गहन चर्चा होने की उम्मीद है। इसके अलावा मथुरा, काशी, लक्ष्मण टीला समेत बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हुये हमलों के मुद्दों के अलावा पार्टी के संगठनात्मक ढांचे की मजबूती को लेकर अधिवेशन में चर्चा की जायेगी और संगठन की भविष्य की योजनाओं पर भी विचार–विमर्श किया जाएगा और विभिन्न धार्मिक मुद्दों पर एक साझा दृष्टिकोण तैयार किया जाएगा।

नदी में डूबे युवक का 18 घंटे बाद शव मिला

लखनऊ, एजेंसी। निगोहां में नदी में डूबने से युवक की मौत हो गई। 18 घंटे बाद पुलिस ने शव को बरामद किया। युवक की पहचान प्रवेश कुमार (27) के रूप में हुई है। प्रवेश अपने दोस्तों के साथ भरवेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन करने गया था। प्रवेश एक दिन पहले दोस्तों के साथ मंदिर में दर्शन करने आया था। सई नदी में नहाने के दौरान वो डूब गया। आसपास के लोगों ने गोताखोरों की मदद से युवक की तलाश की लेकिन पता नहीं लगाया जा सका। घटना की जानकारी के बाद एसडीआरएफ की टीम ने तलाशी अभियान चलाया। बुधवार की शाम करीब 4 बजे प्रवेश का शव बरामद किया गया। एसडीआरएफ की टीम ने शव को पुलिस को सौंप दिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। परिवार के लोगों ने बताया कि प्रवेश कुमार एक निजी कंपनी में काम करता था।

भारत बंद को समाजवादी पार्टी ने दिया समर्थन, सपा कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में बुधवार को भारत बंद का आवाहन किया गया जिसमें बहुजन समाज पार्टी , आजाद समाज पार्टी और विभिन्न संगठनों ने हिस्सा लिया। लखनऊ में समाजवादी पार्टी ने भी भारत बंद का समर्थन किया। सपा के महानगर अध्यक्ष फाखिर सिद्दीकी ने दर्जनों समर्थकों के साथ हजरतगंज स्थित परिवर्तन चौक पर प्रदर्शन किया। फाखिर सिद्दीकी ने कहा कि आज दर्जनों संगठन और दल उपवर्गीकरण को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं जिसको हमारे नेता अखिलेश यादव सम्पूर्ण समर्थन दिया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश के निर्देश पर हम सभी लोग परिवर्तन चौक आकर इस आंदोलन को मजबूत बना रहे हैं। आरक्षण में आर्थिक स्तर पर उपवर्गीकरण को लेकर हम विरोध कर रहे हैं। आरक्षण दलित , पिछड़ाओं और आदिवासियों का अधिकार है वह उसे मिलना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी दलित विरोधी है इसलिए लगातार को इस तरीके की स्थिति पैदा कर रही है कि युवावों को सड़कों पर उतरना पड़ रहा है। समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव ने हमेशा देश के शोषितों और वंचितों का साथ दिया है। अखिलेश यादव ने च्व। के माध्यम से समाज में अंतिम पायदान पर खड़े प्रत्येक व्यक्ति को जोड़ने का और उसकी आवाज बुलंद करने का काम किया है। भारत बंद का जो आवाहन हुआ है हम उसका संपूर्ण रूप से समर्थन करते हैं और आरक्षण जिसका अधिकार है उसे दिलाने के लिए समाजवादी पार्टी और हमारा प्रत्येक कार्यकर्ता पूरी लड़ाई लड़ेगा।

एससी-एसटी आक्षरण पर असीम अरुण बोले, किसी के साथ नहीं होगा अन्याय

लखनऊ, एजेंसी। एससी–एसटी आक्षरण में क्रीमी लेयर को लेकर सुप्रीम कोर्ट का जो फैसला आया है, उस पर सियासी घमासान मचा हुआ है। बुधवार को तमाम राजनौतिक पार्टियों व दल ने भारत बंद के माध्यम से अपनी आवाज बुलंद की है। हालांकि, पूर्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी आश्वासन देते हुए कहा था कि इस लागू नहीं किया जाएगा, भारतीय संविधान में क्रीमी लेयर का प्रावधान नहीं हैं। इस मुद्दे पर प्रदेश सरकार के सामाजिक कल्याण मंत्री असीम अरुण ने खुलकर बात की। जिसका एक वीडियो एक्स पर वायरल हो रहा है। दरअसल कैबिनेट मंत्री असीम अरुण ने कहाकि, भारत बंद आंदोलन की आवश्यकता नहीं है, क्रीमी लेयर पर केंद्रीय कैबिनेट निर्णय ले चुका है। कोर्ट में एससी–एसटी आक्षरण पर मंथन चल रहा है। जल्द ही उस पर निर्णय होगा, किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। असीम अरुण ने कहा कि आज बाबूजी की तीसरी पुण्यतिथि के मौके पर हम सब एकत्रित हो रहे हैं। बाबूजी ने सुशासन का जो मानक स्थापित किया था, वह भारतीय जनता पार्टी की सरकार में ही संभव था।

चित्रकला वर्कशॉप में भीम सिंह व लाएबा को मिली दस-दस हजार रुपए की स्कॉलरशिप

चित्रकला प्रतियोगिता में आयशा, खतीजा एवं अरबिया रहे प्रथम व आद्या, शर्मिष्ठा, मुनीजा एवं समरीन रहीं द्वितीय

प्रयागराज। खानम आर्ट गैलरी के चित्रकला वर्कशॉप में बडिंग आर्टिस्ट भीम सिंह (चित्रकला) एवं कैलीग्राफी के लिए लाएबा हसीन दस–दस हजार रुपए स्कॉलरशिप के लिए चुने गए। कलाकार के मान–सम्मान और कला को आगे बढ़ाने के लिए उभरते हुए कलाकारों को दस–दस हजार रुपए की यह (स्कॉलरशिप) खानम आर्ट गैलरी की निदेशक डॉ.जाहेदा खानम की वालिदा हमीदा खघनम एवं उनके पति जफर इकबाल की वालिदा खघ्दीजा बेगम के नाम से दी गई। मुख्य अतिथि तान्या ढाल पूर्व प्रेजिडेंट एवं डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर इनरव्हील, एवं गेस्ट ऑफ ऑनर प्रिंसिपल हमीदिया डिग्री कॉलेज नासेहा उस्मानी, विशिष्ट अतिथियों में एसो. प्रोफेसर डॉ. सबीहा अजमी, पूर्व प्रधानाचार्या खैरुन्निसा साबरी, कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा, तलत महमूद एवं राकेश गोस्वामी रहे, जिन्हें बैच लगाकर एवं स्मृतिचिन्ह से सम्मानित किया गया।

चित्रकला प्रतियोगिता में कक्षा–1 से 12 के तीनों ग्रुप ए, बी, सी में प्रथम पुरस्कार में आयशा फातिमा, खतीजा फातिमा एवं अरबिया वहीद रहे, द्वितीय पुरस्कार में आद्या मिश्रा, शर्मिष्ठा पाल, मुनीजा सईद एवं समरीन हसीन रहे। तृतीय पुरस्कार पाने वालों में अक्सा आलम, माहिरा इफ्तिखार, जकारिया नसीम एवं मोहम्मद ओमान रहे। यूकेजी की खतीजा जेहरा को स्पेशल पुरस्कार दिया गया। दोनों प्रतियोगिताओं का निर्णय (जजिंग) तथा कार्यक्रमों का संयोजन कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा एवं तलत महमूद ने किया।

कार्यक्रम संचालन तलत महमूद ने किया इस मौके पर बड़ी संख्या में प्रतियोगी बच्चे,

माता–पिता, कलाकार एवं अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

स्नेह संस्था के तत्वावधान में बेटी बैंक द्वारा आयोजित हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत माह सितंबर में होगी निबंध प्रतियोगिता....

प्रयागराज। सामाजिक सरोकारों से जुड़ी संस्था स्नेह के तत्वावधान में बेटी बैंक द्वारा आयोजित दिनांक 01 सितंबर 2024 से 14 सितंबर 2024 तक हिंदी पखवाड़ा मनाया जाएगा। इसके अंतर्गत जनपद प्रयागराज के विभिन्न डिग्री कालेज में हिंदी निबंध ा प्रतियोगिता का आयोजन किया जाना है।

हिन्दी निबंध का विषय है, प्रयागराज के सन्दर्भ में कुम्भ मेले की उपयोगिता

उक्त आयोजन हेतु संस्था द्वारा अपनी कमेटी घोषित कर दी गई है।

'1–एस.एस. खन्ना डिग्री कालेज प्रयागराज।'

1– प्रेक्षक–आनंद शुक्ला वरिष्ठ पत्रकार, प्रयागराज ।

2–श्रीमती अल्का सक्सेना

3–श्रीमती अपर्णा श्रीवास्तव

'2– जगत तारण डिग्री कालेज प्रयागराज।'

1– प्रेक्षक श्री धीरेन्द्र नाथ, वरिष्ठ रंगकर्मी एवं अधिवक्ता।

2–श्री एन. अस्थाना।

3–श्रीमती अपर्णा श्रीवास्तव।

4– श्री पंकज यादव।

'3– इविंग क्रिश्चियन डिग्री कालेज प्रयागराज।'

1– प्रेक्षक डॉ मनीष कुमार श्रीवास्तव विभागाध्यक्ष इलेक्ट्रिकल श्सैम हिगिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय

2–श्री दीपक श्रीवास्तव।

3–श्रीमती अपर्णा श्रीवास्तव।

'4– आर्य कन्या गर्ल्स डिग्री कालेज प्रयागराज।'

1– प्रेक्षक श्रीमती अल्का सक्सेना एवं श्रीमती अनुराधा श्रीवास्तव एन जी ओ संचालिका

2–श्री दीपक श्रीवास्तव।

3–श्रीमती अपर्णा श्रीवास्तव।

'5– चौधरी महादेव प्रसाद डिग्री कालेज प्रयागराज।'

1– प्रेक्षक– श्री एन अस्थाना वरिष्ठ समाजसेवी।

2–श्री दीपक श्रीवास्तव

3–श्रीमती अपर्णा श्रीवास्तव।

अतः आपसे अनुरोध है कि उक्त विषयक समाचार अपने सम्मानित समाचार पत्र में प्रकाशित करने का कष्ट करें।

69000 शिक्षक भर्ती, कोर्ट के आदेश का पालन किए जाने की मांग को लेकर अभ्यर्थियों का प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी

लखनऊ, एजेंसी। 69000 शिक्षक भर्ती में शामिल आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों का धरना लगातार दूसरे दिन बुधवार को भी जारी है। अभ्यर्थी हाईकोर्ट लखनऊ के डबल बेंच से दिए गए फैसले का पालन किए जाने मांग को लेकर बेसिक शिक्षा निदेशालय के सामने धरने पर बैठे हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि हाई कोर्ट का जो फैसला आया है सरकार उसे जल्द से जल्द लागू करें और आरक्षित वर्ग अभ्यर्थियों को न्याय देते हुए उनकी नियुक्ति का मार्ग प्रशस्त करें। अभ्यर्थियों का कहना है दूध की रखवाली बिल्ली से नहीं कराई जा सकती। इसलिए पुरानी सूची बनाने वाले अधिकारियों को हटाकर नए अधिकारीयों को जिम्मेदारी दी जाएं और नई सूची बनाकर सभी की नियुक्ति की जाए। ध रना प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे अमरेंद्र पटेल ने बताया कि वर्ष 2018 में यह भर्ती प्रक्रिया

शुरू हुई थी। जब इसका परिणाम आया तो इसमें व्यापक स्तर पर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के साथ अन्याय किया गया और उन्हें नौकरी देने से वंचित कर दिया गया। एक लंबे आंदोलन और न्यायिक प्रक्रिया से गुजरने के बाद अब लखनऊ हाई कोर्ट के डबल बेंच ने हम आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के हित में फैसला सुनाया है और नियमों का पालन करते हुए अभ्यर्थियों को नियुक्ति दिए जाने का आदेश दिया है। लेकिन सरकार इस प्रकरण में हीला हवाली कर रही है हम चाहते हैं की सरकार जल्द से इस प्रकरण का समाधान करें और एक शेड्यूल जारी करके बताएं कि हम पीड़ितों की नियुक्ति कब की जा रही है। पटेल ने कहा कि, कोर्ट ने 69000 शिक्षक भर्ती मूल चयन सूची रद्द करते हुए सरकार को तीन महीने के अंदर आरक्षण नियमों का पालन करते हुए नई सूची जारी करने का आदेश दिया है। लेकिन सरकार ने अभी तक कोई काम शुरू नहीं किया है केवल एक मीटिंग की है। हमारी मांग है कि सरकार हमारी चयन संबंधित प्रकिया का कार्यक्रम शेड्यूल जारी कर दे।

कॉल गर्ल स्कॉट सर्विस के नाम पर ठगी

फोटो वाली की जगह भेजी दूसरी युवती, ब्लैकमेल कर लिए पैसे

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में स्कॉट सर्विस के नाम पर ठगी का खेल चल रहा है। स्कॉट सर्विस एजेंट ने चार युवकों को अपने जाल में फंसाकर हजारों रुपए ठग लिए। युवकों का आरोप है कि जिन दो लड़कियों को सर्विस के लिए बुलाया गया था, उन्हें न भेजकर दूसरी भेज दी। पुलिस पीड़ित की तहरीर पर एफआईआर दर्ज कर मुख्य आरोपी की तलाश कर रही है। वाराणसी से लखनऊ घूमने आए चार युवक स्कॉट सर्विस के चंगुल में फंस गए। पीड़ित के मुताबिक वह दोस्तों के साथ होटल दयाल पैराडाईस में कमरा नंबर 309 और 310 में रुके हुए थे। गूगल पर खाना ऑर्डर करने के लिए रेस्टोरेंट सर्च कर रहा था। इसी दौरान नीचे बार–बार स्कॉट सर्विस की एक लिंक शो हो रहा था। लिंक पर क्लिक कर दिया। जिसके बाद स्कॉट सर्विस का प्रोफाइल खुलकर सामने आ गया। पीड़ित के मुताबिक स्कॉट सर्विस का लिंक खोलते ही उनके नंबर पर एक वॉट्सऐप नंबर से मैसेज आया। जिसमें सर्विस के लिए कई ऑप्शन दिए थे। उसके बाद दो लड़कियों से सर्विस लेने के बदले 20 हजार रुपए देने की बात कही गई। पीड़ित ने कहा कि स्कॉट सर्विस के एजेंट ने करीब 12 फोटो भेजे। जिसमें से दो लड़की चुनने को कहा। उसके बाद दो लड़कियों की फोटो तय कर 20 हजार पर बात तय हो गई। पीड़ित के मुताबिक कुछ ही देर बाद एक गाड़ी से दो लड़कियां आईं। ये लड़कियां वो नहीं थीं, जिनकी फोटो युवकों ने पसंद की थी। चारों ने सर्विस लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद ममानी उर्फ रिया नाम बताने वाली लड़की गाली–गलौज करने लगी। साथ ही धमकी दी की पैसा नहीं दिया तो रेप का केस दर्ज करा देंगे। पुलिस केस से बचने के लिए आठ हजार रुपए उनको दे दिए। उसके बाद भी वह पूरे बीस हजार रुपए देने का जोर देने लगी। इसी बीच गाड़ी में बैठी दूसरी लड़की चली गई। किसी तरह उनके चंगुल से छूटकर पुलिस को सूचना दी। गोमतीनगर इंस्पेक्टर राजेश त्रिपाठी ने बताया कि पीड़ितों की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई है। गैंग से जुड़ी युवती को पकड़ा गया है।

बेलगाम सरकार पर लगाम लगाते हैं जन आंदोलन : अखिलेश

लखनऊ, एजेंसी। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति (एससी–एसटी) के आरक्षण में क्रीमी लेयर पर उच्चतम न्यायालय के फैसले को लेकर बुधवार को आहूत भारत बंद का समर्थन किया और कहा कि ऐसे जन आंदोलन बेलगाम सरकार पर लगाम लगाते हैं। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक टिप्पणी में कहा, ''आरक्षण की रक्षा के लिए जन–आंदोलन एक सकारात्मक

प्रयास है। ये शोषित–वंचित के बीच चेतना का नया संचार करेगा और आरक्षण से किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ के खिलाफ जन शक्ति का एक कवच साबित होगा। शांतिपूर्ण आंदोलन लोकतांत्रिक अधिकार होता है। उन्होंने इसी संदेश में कहा, बाबा साहब भीमराव आंबेडकर जी ने पहले ही आगाह किया था कि संविधान तभी कारगर साबित होगा जब उसको लागू करनेवालों की मंशा सही होगी। सत्तासीन सरकारें ही जब धोखाधड़ी, घपलों–घोटालों से संविधान और संविधान द्वारा दिये गये अधिकारों के साथ खिलवाड़ करेंगी तो जनता को सड़कों पर उतरना ही होगा। जन–आंदोलन बेलगाम सरकार पर लगाम लगाते हैं।गौरतलब है कि एससी–एसटी के आरक्षण में क्रीमी लेयर पर उच्चतम न्यायालय के पिछले एक अगस्त के फैसले के खिलाफ आज देश भर के 21 संगठनों ने भारत बंद का आह्वान किया है। संगठनों ने इस फैसले का विरोध करते हुए कहा कि इससे आरक्षण के मूल सिद्धांतों को क्षति होगी।

रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल जारी, लोहिया संस्थान के बाहर मरीजों का प्रदर्शन

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ के 2 हजार सहित प्रदेश के 4 हजार से ज्यादा रेजिडेंट डॉक्टरों के प्रदर्शन के चलते मरीजों पर इलाज का संकट है। सोमवार–मंगलवार को बड़ी संख्या में मरीज और तीमारदार बिना इलाज वापस लौट गए। इस बीच कई मरीजों की सर्जरी भी टालनी पड़ी। इस बीच बुधवार सुबह गोमती नगर के डॉ.राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में कई दिनों पर्चा न बनने की वजह से परेशान मरीजों और तीमारदारों ने गेट नंबर–2 के बाहर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान जाने वाली सड़क पर विरोध–प्रदर्शन किया।

राजधानी में जाम से त्राहि-त्राहि, हिंदू गौरव और भारत बंद से बिगड़ी ट्रैफिक व्यवस्था

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आज पूर्व सीएम कल्याण सिंह की पुण्यतिथि पर शहिंदू गौरवश कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसमें बड़ी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता पहुंचे हैं। कार्यक्रम की वजह से लखनऊ की सड़कों पर भारी जाम है। गोमती नगर और विभूतिखंड इलाके में करीब 10 किमी तक सड़क जाम है। सड़कों पर गाड़ियों की लंबी कतार है। ट्रैफिक सिस्टम पूरी तरह से बिगड़ गई है। लोग जाम में फंसे हैं। सुबह नौ बजे से ही लोग जाम की समस्या से जूझ रहे हैं। ट्रैफिक कर्मी लगातार गाड़ी हटाने की अपील करते रहे। कई गाड़ियों का नो पार्किंग में चालान भी किया गया। बता दें लखनऊ के विभूति खंड स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की तीसरी पुण्यतिथि मनाई जा रही है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल हो रहे हैं। कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल और उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक उपस्थिति रहेंगे। वीवीआईपी मूवमेंट के चलते विभूति खंड इलाके में जाम जैसी स्थिति बन गई। शालीमार ऑफिस के कट पर बैरिगेटिंग लगाकर वाहनों को आगे बढ़ा दिया गया। जिसकी वजह से सड़क पर गाड़ियों की लंबी कतार लग गई। कई जगह लोग ऑफिस जाने की जल्दी में ट्रैफिक कर्मियों से झड़प भी करते नजर आए। हालांकि बाद में पुलिस द्वारा बनाए गए डायवर्जन का इस्तेमाल करके आगे जाना पड़ा। लोगों ने जल्दबाजी में सड़कों पर ही अपनी गाड़ियां खड़ी कर दी। जिसके चलते वहां से गुजर रही गाड़ियों को समस्या का सामना करना पड़ रहा था। पहले तो कुछ देर ट्रैफिक टीम एनाउंसमेंट के जरिए नो पार्किंग से गाड़ी हटाने की अपील करती रही। इसके बाद नो पार्किंग का चालन करना शुरू किया, तब लोग भागते हुए अपनी गाड़ी हटाने लगे।

ठाकुरगंज पुलिस ने 3 चोरों को गिरफ्तार किया, चोरी के सामान बरामद

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ की ठाकुरगंज पुलिस ने तीन चोरों को चोरी के सामान के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से चोरी का सामान और जेवरात भी बरामद किया है। ये लखनऊ से बाहरी इलाकों में रेकी के बाद चोरी का वारदात को अंजाम देते थे। एसीपी चौक के निर्देश पर सलमान खान, बावर्ची टोला सआदतगंज के सलमान, और सहादतगंज के ही इकराम के रूप में हुई है। तीनों युवकों ने पूछताछ में बताया कि वजीरगंज इलाके के एक मकान में कुछ दिन पहले ही चोरी की थी। पुलिस ने बताया कि सर्विलांस की मदद से तीनों चोरों का पकड़ा गया है। इनकी तलाश की जा रही थी। मंगलवार की रात को ठाकुरगंज बाजार के पास से ही इन तीनों को पकड़ा गया।

अडानी ग्रुप के साथ सेबी के चेयरमैन की मिलीभगत : पायलट

लखनऊ, एजेंसी। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने आज राजधानी लखनऊ के उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मोदी सरकार निशाना साधा। पायलट ने कहा कि भारत में सेबी चेयरमैन और अडानी ग्रुप के अध्यक्ष के बीच संबंधों का खुलासा हुआ है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर ही से भी कुछ आंसर की गई थी। सोफी गई अगर संदिग्ध है तो जांच क्या करेगी? सचिन पायलट ने कहा कि सभी के अध्यक्ष और अडानी एक साथ मिलकर व्यवसाय करते हैं कांग्रेस इस मामले की जेपीसी कमेटी से जांच करने की मांग करती है। और जब तक की जांच ना हो तब तक चेयरमैन को हटा दिया जाए। वहीं सचिन पायलट ने देश में हो रही है हिंसा को लेकर कहा की देश में बलात्कार जैसी घटना की सभ्य समाज में कोई जगह नही है। बंगाल में रेप किया आरोपियों को सबसे सजा मिलनी चाहिए आरोपी ए कोई भी क्यों ना हो।

सम्पादकीय.....

सक्रियता बिग-बी की ऊर्जा घुट्टी

तमाम विशेषणों से नवाजे जाने वाले अमिताभ बच्चन बॉलीवुड के ऐसे निर्विवाद सुपर स्टार हैं, जिन्होंने कई पीढ़ियों के दिलो–दिमाग में अपनी जबरदस्त उपस्थिति दर्ज की है। फिल्मों, टीवी व कमर्शियल विज्ञापनों में उनकी निरंतर उपस्थिति हर किसी को चौंकाती है। हर तरह से साधन–संपन्न अमिताभ बच्चन के उम्र के नवें दशक में लगातार काम करने पर उनके सहयोगी और मीडिया के लोग उनसे अक्सर सवाल करते हैं कि इस उम्र में भी उन्हें लगातार काम करने की क्या आवश्यकता है? जिसका जवाब भी उन्होंने बेहद सहजता–सरलता से दिया कि यह उनके लिये काम करने का एक और अवसर है। हाल में ही में बॉक्स आफिस पर एक सफल फिल्म देने के बाद बिग–बी जल्दी ही रजनीकांत की एक अन्य फिल्म में नजर आएंगे। वहीं अमिताभ बच्चन कौन बनेगा करोड़पति के 16वें संस्करण की मेजबानी करते नजर आ रहे हैं। वे अपनी सक्रियता की तार्किक व्याख्या करते हैं। वे कहते हैं कि लोग उनके पेशेवर जीवन को लेकर तरह–तरह के निष्कर्ष निकालने के लिये स्वतंत्र हैं, वैसे ही उन्हें भी काम करते रहने की आजादी है। वे कहते हैं कि उनके काम करते रहने की वजह है कि उन्हें मनमाफिक काम करने के मौके मिल रहे हैं। उनका तर्क होता है कि ऐसे सवाल करने वाले लोग मेरी जगह खुद को रखकर देखें और उनको जवाब मिल जाएगा। निस्संदेह, हर व्यक्ति को यदि काम करने के अवसर मिलते हैं तो काम करने की उसे भी आजादी है। इसके जरिये हम खुद को व्यस्त रख सकते हैं। निश्चित रूप से बिग–बी अपनी सक्रियता के जरिये उम्रदराज लोगों को संदेश भी दे रहे हैं कि हमारी सक्रियता का एक पक्ष आर्थिक तो है, वहीं सामाजिक सक्रियता के चलते हमारा स्वास्थ्य भी बेहतर रहता है। हमारी सामाजिक गतिशीलता से जहां हमारा एकाकीपन दूर होता है, वहीं कार्य परिस्थितियों में बदलाव से जीवन की एकरसता टूटती है। इससे हम जीवन में नई ऊर्जा व उल्लास का अनुभव करने लगते हैं। यह विडंबना ही है कि बड़ी आबादी वाले देश भारत में व्यक्ति को एक समय व्यवस्था के चलते रिटायर मान लिया जाता है, जबकि उसमें जीवन के व्यापक अनुभव से भरपूर ऊर्जा विद्यमान होती है। निश्चित रूप से उम्र का पैमाना महज एक नंबर है। व्यक्ति को इसलिये रिटायर मान लिया जाता है कि उसकी जगह किसी दूसरे को रोजगार का अवसर मिल सके। दुनिया के तमाम विकसित देशों में प्रोफेसर, न्यायाधीश व अन्य क्षेत्रों में लोग तब तक नौकरी कर सकते हैं जब तक कि वे काम करने के लिये खुद को फिट पाते हैं। चिकित्सा के क्षेत्र में नये अनुसंधान और जीवन स्तर में सुधार के चलते भारत समेत दुनिया के तमाम देशों में जीवन प्रत्याशा में अप्रत्याशित उछाल आया है। लोग सरकारी व अन्य क्षेत्रों से रिटायरमेंट की औपचारिकताओं से इतर कई दशकों तक बेहतर ढंग से काम करते रहते हैं। निजी और कला के क्षेत्रों में लोगों की सक्रियता इसका प्रमाण है। भारतीय लोकमानस में यह कहावत सदियों से प्रचलित रही है कि 'साठा सो पाठा' यानी साठ के बाद भी व्यक्ति व्यापक अनुभवों के साथ चुस्त–दुरस्त होता है। वास्तव में हमारी सक्रियता व स्वास्थ्य के मूल में हमारी मनोग्रंथि की भी भूमिका होती है। यदि हम जीवन के प्रति सकारात्मक रहते हैं तो हम स्वस्थ व सक्रिय रहते हैं। जीवन के सातवें व आठवें दशक में संयमित जीवन, अनुशासित खानपान और सकारात्मक सोच से हम लगातार ऊर्जावान बने रह सकते हैं। हमारे देश में बिग–बी जैसे लोग उसकी मिसाल हैं। ऐसा नहीं कि वे सिर्फ कमाने के लिये काम कर रहे हैं। उन्हीं के शब्दों में उन्हें काम करने का अवसर मिलना उनकी काम करने की वजह है। देश के उम्रदराज ही नहीं, हर वर्ग के लोगों के लिये अमिताभ बच्चन प्रेरणा की मिसाल हैं। यह संदेश भी कि कर्मशील व्यक्ति के लिये उम्र कोई मायने नहीं रखती। जीवन के व्यापक अनुभव उनकी कार्य की गुणवत्ता को निखार देते हैं। यही जीवन का सौंदर्य भी है और लंबी उम्र का राज भी।

झारखंड में खेला करती भाजपा

एजेंसी

जून में शपथ ग्रहण करने के बाद मोदी और उनके तथाकथित 'चाणक्यश'ने परिस्थितियों की नजाकत को समझते हुए अपने श्आपरेशन लोटसश कार्यक्रम को विराम दे रखा था। लेकिन अब लगता है कि झारखंड के माध्यम से इसे पुनर्जीवित किया जा रहा है।

इस बार लोकसभा में अपने लक्ष्य से काफी कम सीटें पाने के बाद भारतीय जनता पार्टी उन हरकतों से बाज नहीं आ रही, जिनके कारण उसकी लोकसभा में सदस्य संख्या 303 से घटकर 240 हुई है। आज हालात ऐसे हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो–दो पार्टियों के सहारे सरकार चला रहे हैं। जून में शपथ ग्रहण करने के बाद मोदी और उनके तथाकथित श्चाणक्यश ने परिस्थितियों की नजाकत को समझते हुए अपने श्आपरेशन लोटसश कार्यक्रम को विराम दे रखा था। लेकिन अब लगता है कि झारखंड के माध्यम से इसे पुनर्जीवित किया जा रहा है। हालांकि इसका पूरा श्रेय भाजपा को नहीं दिया जा सकता लेकिन इस बात को मानना होगा कि यदि स्थितियां बनीं तो भाजपा इसका पूरा फायदा उठायेगी। 31 जनवरी को जब एक जमीन घोटाले के आरोप में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गिरफ्तार किया गया था तो उन्होंने जेल जाने के पहले अपने पद पर उनके खास एवं वरिष्ठ सहयोगी चंपई सोरेन को बिठा दिया था जिनका ज्यादा नाम तो नहीं था, लेकिन जिनकी मजबूत जमीनी पकड़ है। मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते समय उन्होंने स्पष्ट किया था कि वे केवल हेमंत की कुर्सी सम्हाल रहे हैं और उनके प्रतिनिधि मात्र हैं। उन्होंने उस वक्त भी उनकी झारखंड मुक्ति मोर्चे की सरकार को गिरने और पार्टी को विभाजन से बचाया था, जो भाजपा की मंशा थी।

इतना ही नहीं, उस दौरान लगातार मजबूत होते इंडिया गठबन्धन में भी उन्होंने कल्पना सोरेन के साथ मिलकर सक्रिय भूमिका निभाई थी। दिल्ली में वहां के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल और हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के खिलाफ आयोजित इंडिया के घटक दलों की विशाल रैली में हिस्सा लिया था। सभी को भरोसा हो चला था कि तमाम संकटों के बावजूद झारखंड की सरकार टिकी रहेगी (जिसमें कांग्रेस भी भागीदार है) और वहां भाजपा की दाल फिलहाल नहीं गलने वाली। जुलाई की शुरुआत में जमानत मिल जाने पर हेमंत सोरेन लौटे तथा फिर मुख्यमंत्री पद पर विराजमान हो गये। चंपई सोरेन भी बिना किसी ना–नुकूर के कुर्सी से उतर आये। रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर अपने बयानों से उन्होंने साफ संकेत दे दिया है कि वे बगावत पर उतर आये हैं। उनके साथ 6 और विधायकों के होने की भी बात कही जाती है। उन्होंने पोस्ट में लिखा है कि वे एक वरिष्ठ नेता रहे हैं लेकिन सीएम पद पर रहने के दौरान उन्हें कई तरीकों से अपमानित किया गया। उनका आरोप है कि वे अपने कार्यक्रम तक खुद नहीं बना सकते थे और कई बैठकों में उन्हें बुलाया तक नहीं जाता था। उन्हें सूचित किये बगैर ही उनके कार्यक्रम भी रद्द किये जाने की उन्होंने शिकायत की। उनका दावा है कि उनके इस अपमान के कारण वे अब विकल्प तलाशने पर मजबूर हो गये हैं। बताया जाता है कि वे पिछले कुछ अरसे से भाजपा के सम्पर्क में भी रहे हैं। हालांकि झारखंड के भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने इस बात से इंकार करते हुए कहा है कि उनसे चंपई की कोई बात हुई है। उन्होंने कहा कि चंपई अपना रास्ता खुद तय करेंगे। राज्य भाजपा के कई नेता चंपई को लेकर बहुत सम्मान व्यक्त करने वाले बयान दे रहे हैं और इस बात को उभारने की कोशिश कर रहे हैं कि चंपई को अपमानित होना पड़ रहा है। यह भाषा बतला रही है कि चंपई अगर भाजपा में जाते हैं तो उन्हें प्रवेश दिया जायेगा। केन्द्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने तो अपने एक्स पर उनका एनडीए में स्वागत तक कर डाला। कोल्हान टाइगर के नाम से पहचाने जाने वाले चंपई के बारे में जीतनराम ने यह भी कहा कि श्आप टाइगर थे, टाइगर हैं और टाइगर ही रहेंगे। अनुमान है कि चंपई कभी भी भाजपा में शामिल हो सकते हैं। वैसे खुद चंपई ने इस बात की पुष्टि नहीं की हैय और हेमंत का आरोप है कि भाजपा पैसों के बल पर पार्टियां और परिवार तोड़ रही है। यह भी माना जाता है कि वे अलग पार्टी बनायेंगे। आदिवासियों के बीच अच्छी पैठ रखने वाले चंपई के पार्टी छोड़ने का असर वहां जेएमएम और इंडिया पर पड़ेगा– इसमें दो राय नहीं है। सवाल यह है कि यदि चंपई और उनके साथ 6 अन्य लोग जेएमएम छोड़ते हैं तो क्या झारखंड सरकार गिर जायेगी, तो ऐसा खतरा फिलहाल नहीं दिखता पर वहां की कुल 81 में 28 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिये आरक्षित हैं जिन पर हेमंत एवं चंपई के बीच मुकाबला बढ़ सकता है। इस राज्य में बहुत ही जल्दी विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। शुक्रवार को घोषित हरियाणा और जम्मू–कश्मीर के साथ यहां के भी (और महाराष्ट्र भी) चुनावों का ऐलान होने की अपेक्षा थी। 82 सदस्यीय (1 मनोनीत) विधानसभा में झामुमो के पास 27, कांग्रेस 18, माले व राष्ट्रीय जनता दल के पास 1–1 सीटें हैं जिन्हें मिलकर सरकार बनी है। विपक्ष के पास कुल 30 सीटें हैं– भाजपा 24, आजसू 3, राकपा 1, निर्दलीय 2 और चार खाली हैं। यानी चंपई के बल पर भाजपा की सरकार नहीं बन सकती और हेमंत की गिर नहीं सकती, लेकिन आगामी विधानसभा चुनाव में जेएमएम–इंडिया को यहां मजबूती से चुनाव लड़ना होगा।

व्यवस्था से टूटता भरोसा लोकतंत्र के लिए गंभीर संकट

डॉ. लखन चौधरी

देश की एक और जघन्य और बर्बर अमानवीय घटना ने देशवासियों को एक बार फिर हिला कर रख दिया है। सरकारें, किसी भी दल की हों, व्यवस्थाएं उसी तरह चल रहीं हैं। व्यवस्थाओं में आमूल–चूल बदलाव एवं परिवर्तन की बातें भी अब लोगों को विश्वास दिलाने में असफल साबित होने लगी हैं। निर्भया कांण्ड से लेकर आज तक इस तरह की कुत्सित, निंदनीय घटनाएं रूकने की बात तो दूर, कम होने तक का नाम नहीं ले रहीं हैं। ठीक है कि समाज में मानसिक विकृतियां, मनोविकार की स्थिति लगातार बढ़ रही है, जिसके अनेकानेक कारण हैं, लेकिन इस तरह की घटनाओं के पीछे के मनोविज्ञान को भी समझने की दरकार है। आज सरकारों की वोटबैंक की राजनीति के कारण अपराधियों में डर, भय खत्म हो रहा है। लगातार चलने वाले बोझिल कानूनी कार्रवाइयों से अपराधियों का हौसला पस्त नहीं हो पा रहा है, लिहाजा इस तरह की अमानवीय घटनाएं कम होने का नाम नहीं ले रहीं हैं। भारतीय उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने विगत दिनों भारतीय न्याय व्यस्था यानि भारतीय कानूनी प्रणाली के बारे में जो बातें कहीं हैं, वह वाकई बहुत गंभीर है। आजादी के 75 सालों में भारतीय न्याय व्यस्था से आम आदमी वाकई निराश हुआ है। सत्ता, कुर्सी, बड़े एवं जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग उचित–अनुचित तरीके से कानून एवं न्याय आदि की व्याख्याएं अपनी सहूलियत एवं अपने बचाव के हिसाब से करने लगे हैं। ऐसे में आम जनता के लिए न्याय की उम्मीद पालना या न्याय पर भरोसा करना ही निरर्थक सा ही तो लगता है? सीजेआई डी.वाई. चंद्रचूड़ का कथन है कि ञ्चइतिहास में कानूनी प्रणाली का एक तरह से दुरूपयोग हुआ है। दरअसल कानूनी प्रणाली अन्याय–भेदभाव के लिए एक तरह से हथियार की तरह होती है लेकिन इसी कानूनी प्रणाली ने हाशिए पर रह–रहे बहुसंख्यक समुदायों को नुकसान पहुंचाने का काम किया है।श सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस का कहना है कि लीगल सिस्टम को अक्सर समाज के हाशिए पर रहे समुदायों को दबाने के हथियार के लिए इस्तेमाल किया गया है। समाज में होने वाले भेदभाव और अन्याय को धीरे–धीरे सामान्य माना जाने लगा, जिससे कुछ समुदाय समाज की मुख्य धारा से अलग होते चले गए, इसके चलते हिंसा और बहिष्कार की घटनाएं बढ़ती चली गईं। ऐसे वक्त में कानूनी प्रणाली ने भी हाशिए पर रह–रहे समुदायों के खिलाफ इतिहास में हुई गलतियों को कायम रखने में अहम भूमिका निभाई। भारत में जाति प्रथा के चलते निचली जातियों के लाखों लोगों को शोषण का शिकार होना पड़ा। महिलाओं और दूसरे अल्पसंख्यक समुदायों को दबाया गया। इतिहास अन्याय के ऐसे उदाहरणों से भरा हुआ है। आज अधिकार मिलने के बाद भी महिलाओं के साथ हिंसा हो रही हैं। भारत में आजादी के बाद शोषण सहने वाले समुदायों के लिए कई नीतियां बनाई गईं। उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और प्रतिनिधित्व के अवसर दिए गए। हालांकि संवैधानिक अधिकारों के बावजूद समाज में महिलाओं को भेदभाव और हिंसा का सामना करना पड़ रहा है। जाति के आधार पर होने वाले भेदभाव पर बैन लगने के बाद भी पिछड़े समुदायों के खिलाफ हिंसा की घटनाएं सामने आती हैं। सीजेआई ने कहा कि बुरा संविधान भी अच्छा बन सकता है, बशर्ते उसे चलाने वाले अच्छे लोग हों। अंबेडकर कहते थे कि श्संविधान चाहे कितना भी अच्छा क्यों न हो, अगर वे लोग खराब निकलें, जिन्हें संविधान को अमल में लाने का काम सौंपा जाएगा तो संविधान का खराब साबित होना तय है। वहीं, संविधान चाहे कितना भी खराब क्यों न हो, अगर जिन लोगों को इसे अमल में लाने की जिम्मेदारी दी गई है, वे अच्छे हैं तो संविधान का अच्छा साबित होना तय है। भले ही न्यायाधीशों को जनता नहीं चुनती, लेकिन समाज में उनकी बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है, न्यायपालिका का समाज के विकास में स्थिर प्रभाव है। समाज में अदालतों की भूमिका पर चीफ जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़ ने बड़ी टिप्पणी की है। उन्होंने कहा, समाज प्रौद्योगिकी के साथ तेजी से बदल रहा है। भारत के बहुलतावादी समाज में न्यायाधीशों का तटस्थ रहना बेहद जरूरी होता है। न्यायाधीशों को समय के उतार–चढ़ाव से परे रहना चाहिए। भारत जैसे बहुलवादी समाज के संदर्भ में कोर्ट को सभ्यताओं, संस्कृतियों की समग्र स्थिरता में भूमिका निभानी है। सांस्कृतिक और सामाजिक पृष्ठभूमि के हिस्से के रूप में अदालतें नागरिक समाज और सामाजिक परिवर्तन की खोज के बीच जुड़ाव का केंद्र बिंदु बन गई हैं। लोग केवल नतीजों के लिए ही नहीं, बल्कि संवैधानिक परिवर्तन की प्रक्रिया में आवाज उठाने के लिए भी अदालतों का दरवाजा खटखटाते हैं। यद्यपि यह एक जटिल सवाल है कि लोग अदालतों में क्यों आते हैं? और इसके कई कारण हैं। विधायिका और कार्यपालिका की भूमिका न्यायपालिका से अलग है। संविधान में निश्चित रूप से शक्तियों के पृथक्करण का सिद्धांत है। न्यायपालिका विधायिका या कार्यपालिका की भूमिका अपने हाथों में नहीं ले सकती है, लेकिन हस्तक्षेप कर सकती है। अदालतें ऐसी जगह बन रही हैं जहां लोग समाज के लिए अभिव्यक्ति को बुलंद आवाज देने के लिए आते हैं। तात्पर्य यह हैं कि न्याय एवं न्याय प्रणाली से टूटता भरोसा लोकतंत्र के लिए गंभीर संकट की ओर इशारा करता है। यदि समय रहते सरकार इस पर गंभीरता से विमर्श नहीं करती है, तो आने वाले दिनों में समाज में अराजकता की स्थिति निर्मित होने को रोक पाना असंभव हो सकता है।

जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव मोदी सरकार के लिए एक बड़ी परीक्षा

सुशील कुट्टी

जम्मू–कश्मीर में आदर्श आचार संहिता लागू है साथ ही भारत के संविधान की धारा 370 भी निरस्त है। फारूक अब्दल्ला और महबूबा मुफ्ती को कोई शिकायत नहीं है। दोनों खुश हैं कि आखिरकार 90 सदस्यीय जम्मू–कश्मीर विधानसभा के लिए चुनाव होंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने 16 अगस्त को नयी दिल्ली में इस फैसले की घोषणा की और श्रीनगर में इसके असर को महसूस किया। बेशक, सभी भाजपा नेताओं की तरह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आभारी हैं। जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव कराने के लिए मोदी को प्रशंसा मिलेगी। लोग भूल जाते हैं कि मोदी धारा 370 को हटाने के लिए मुख्य प्रस्तावक थे। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही हैं जिनके कारण जम्मू–कश्मीर विभाजित हुआ और चुनाव 10 साल बाद पहली बार हो रहे हैं। मोदी के प्रतिनिधि 2019 के मध्य से जम्मू–कश्मीर पर शासन कर रहे हैं और यह एक खुशहाल शासन नहीं रहा है। यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां राजनेता फंसे हुए हैं और आम लोग दुष्प्रचार से घिरे हुए हैं। क्या कश्मीरी इन चुनावों पर भरोसा करते हैं? कश्मीरियों का एक बड़ा हिस्सा इंतजार ही इंतजार कर रहा है ... और वे भी मैदानी इलाकों के मुसलमानों से कोई अलग नहीं होंगे। कम से कम, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे सीधे तौर पर कहा है, फ्रंट फुट पर बल्लेबाजी करते हुए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कभी भी स्वयं को पाक–साफ प्रस्तुत नहीं कर सकते। मोदी और शाह अब मानते हैं कि उन्होंने अब्दुल्ला और मुफ्ती को काबू में कर लिया है। जम्मू–कश्मीर में ऐसी गलतफहमियां आम बात रही हैं। एक बार मोदी और शाह को दिल्ली से भगा दिया जाये, जिसके लिए भाजपा को 2029 में हराना होगा, धारा 370 फिर से कानून की किताब में शामिल हो जायेगी और जम्मू–कश्मीर और लद्दाख फिर से एक हो जायेंगे। तब तक हर छोटी–छोटी बात मायने रखती है और जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव का स्वागत है। मोदी और शाह अल्पकालिक के लिए सभी प्रशंसाएं ले सकते हैंय दीर्घकालिक उन्हें पसंद नहीं आयेगा। भाजपा को पहले से ही अपने आसन्न विनाश की भनक लग चुकी है। एक और धक्का और पूरी इमारत झुक और गिर जायेगी। जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव तीन चरणों में होंगे, जिनकी शुरुआत 18 सितंबर से होगी। मतगणना 4 अक्टूबर को होगी। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भारत के 78वें स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्र को संबोधित करने के एक दिन बाद तारीखों की घोषणा की। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के पास पीएम मोदी की एक राष्ट्र–एक चुनाव की मांग पर कहने के लिए कुछ नहीं था। उन्होंने मोदी से सवाल पूछने का काम मीडिया पर छोड़ दिया। जम्मू–कश्मीर और हरियाणा विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू हो गई। राजीव कुमार ने कहा कि चुनाव आयोग श्समावेशी और सुलभ चुनावों के लिए प्रतिबद्ध है।चुनाव का पहला चरण 18 सितंबर को, दूसरा 25 सितंबर को और तीसरा और अंतिम चरण 1 अक्टूबर, 2024 को होगा, जो 2 अक्टूबर को गांधी जयंती से एक दिन पहले है, जब केंद्र शासित प्रदेश के लगभग 87 लाख मतदाता अपने वोट डाल चुके होंगे– यह होगा लोकतंत्र की जीत! फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती सीईसी राजीव कुमार को जितना धन्यवाद दें, कम है। दोनों ही वंश एक दशक से अधिक समय से सत्ता से बाहर हैं।पिछली बार जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव मई 2014 में हुए थे। तब से जम्मू–कश्मीर के मतदाता केंद्र शासित प्रदेश के अधीन हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मानना है कि जम्मू–कश्मीर के लोग खुश हैं। सीईसी राजीव कुमार भी खुश हैं। कुमार कहते हैं कि 10 सालों में जम्मू–कश्मीर में हालात काफी बेहतर हुए हैं, खास तौर पर धारा 370 के निरस्त होने के बाद। कुमार कहते हैं कि 2024 के लोकसभा चुनावों ने लोकतंत्र की परतों को मजबूत किया है और जम्मू–कश्मीर के लोग उत्साह से भरे हुए हैं। राजीव कुमार ने भाजपा नेता की तरह बोलते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव में मतदान केंद्रों पर लंबी कतारें इस बात का सुबूत हैं कि लोग न केवल बदलाव चाहते थे बल्कि उस बदलाव का हिस्सा बनकर अपनी आवाज भी उठाना चाहते थे। राजीव कुमार ने जो संदेश दिया वह यह था कि जम्मू–कश्मीर के लोगों ने बुलेट के बजाय बैलेट को चुना। कुमार दर्शकों को आकर्षित करने के लिए जाने जाते हैं और वे कई चुनाव आयुक्तों से अलग नहीं हैं जो पवन चक्कियों पर झुकते हैं। मतदाताओं की उच्च भागीदारी की उम्मीद है। कुमार पूर्ण निष्पक्षता और समान अवसर का भी वायदा करते हैं। इसके बावजूद, ये चुनाव सुरक्षा बलों पर अभूतपूर्व आतंकवादी हमलों की छाया में आयोजित किये जायेंगे। ऐसा माना जाता है कि जम्मू के वन क्षेत्रों में घुसपैठ करने वाले आतंकवादी पाकिस्तानी सेना के कमांडो हैं। इनमें से कुछ को निष्प्रभावी कर दिया गया है, लेकिन सभी को नहीं। राजनेताओं को सुरक्षा प्रदान की जायेगी, लेकिन क्या मतदाता बंदूकों की छाया में अधिकाधिक संख्या में मतदान करेंगे?

अभिनेत्री दीया मिर्जा ने विजय वर्मा की जमकर तारीफ की, बोली- मेरा सपना था विजय वर्मा के साथ काम करना

> मल्हार फिल्म फेस्टिवल में, बॉलीवुड अभिनेत्री दीया मिर्जा ने बताया कि उनके को-स्टार विजय किस प्रकार अपने किरदार में पूरी तरह डूब जाते हैं। किरदार के प्रति उनके पूर्ण समर्पण की प्रशंसा करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने पूरी शूटिंग के दौरान कभी विजय को उनके किरदार से बाहर निकलते नहीं देखा।

बॉलीवुड अभिनेत्री दीया मिर्जा अपनी आगामी सीरीज 'आईसी814' का इंतजार कर रही हैं। उन्होंने अपने को–एक्टर विजय वर्मा की जमकर तारीफ की। सोमवार को 'आईसी814'का ट्रेलर लॉन्च हुआ। इस फिल्म की कहानी आतंकवादी संगठन हरकत–उल–मुजाहिदीन के पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा इंडियन एलयरलाइंस की फ्लाइट 814 को अगवा करने की सच्ची घटना पर आधारित है। मल्हार फिल्म फेस्टिवल में, बॉलीवुड अभिनेत्री दीया मिर्जा ने बताया कि उनके को–स्टार विजय किस प्रकार अपने किरदार में पूरी तरह डूब जाते हैं। किरदार के प्रति उनके पूर्ण समर्पण की प्रशंसा करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने पूरी शूटिंग के दौरान कभी विजय को उनके किरदार से बाहर निकलते नहीं देखा। दिया ने कहा, वह व्यक्ति अपनी पूरी शूटिंग के दौरान एक ही स्पेस में रहा। विजय के साथ काम करना मेरा सपना था। कागज पर, हम एक ही कहानी का हिस्सा हैं, लेकिन मैंने उसे कभी काम करते नहीं देखा। मुझे यह सुनिश्चित करने का कोई तरीका खोजना होगा कि मैं उसके साथ काम करूं क्योंकि मैं उसकी बहुत बड़ी प्रशंसक हूं। 'आईसी814' का निर्देशन 'थप्पड़', 'मुल्क' और 'आर्टिकल 15' फिल्मों से शोहरत पाने वाले अनुभव सिन्हा ने किया है। यह भारतीय हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने के तुरंत बाद इंडियन एयरलाइंस की फ्लाइट 814 के अपहरण पर आधारित है। अपहरणकर्ता विमान को अमृतसर, लाहौर और फारस की खाड़ी के पार दुबई सहित कई स्थानों पर लेकर गये। उन्होंने आखिरकार विमान को अफगानिस्तान के कंधार में उतारने के लिए मजबूर किया, जो उस समय तालिबान के नियंत्रण में था। अपहरणकर्ताओं ने दुबई में 176 यात्रियों में से 27 को रिहा कर दिया था, लेकिन कई लोगों को चाकू मार दिया जिसमें एक की मौत हो गई। अपहरण का मकसद भारत की जेल में बंद इस्लामी आतंकवादियों अहमद उमर सईद शेख और मसूद अजहर, तथा पाकिस्तान समर्थित कश्मीरी आतंकवादी मुश्ताक अहमद जरगर को रिहा करवाना था। इन तीनों को बाद में 2001 में भारतीय संसद पर हुए हमले, 2002 में डेनियल पर्ल की अपहरण और हत्या, 2008 में मुंबई में आतंकवादी हमला, 2016 में पठानकोट हमला और 2019 में पुलवामा हमला जैसे अन्य आतंकवादी हमलों में शामिल पाया गया।आईसी814' नेटफ्लिक्स पर 29 अगस्त को रिलीज होने वाली है।

श्रेया घोषाल ने बंगाली फिल्म बोहुरुपी के गीत आज शारा बेला को दी अपनी आवाज

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता प्लेबैक सिंगर श्रेया घोषाल ने अपकमिंग बंगाली फिल्म बोहुरूपी के गीत आज शारा बेला को अपनी आवाज दी है। इस गाने को अनुपम रॉय ने कंपोज किया है। इसकी कहानी एक लड़की को प्रेम में इंतजार करते हुए उसकी भावनाओं को दिखाया गया है। अनुपम छह महीने से गाने को श्रेया घोषाल की आवाज देने की कोशिश कर रहे थे। श्रेया घोषाल ने कहा, यह बहुत ही खूबसूरत गाना है। मुझे इसकी कंपोजिशन बहुत पसंद आई। यह गाना कई शैलियों को एक साथ मिलाता है, जो इसे वाकई बहुत दिलचस्प बनाता है। यह खूबसूरती से चित्रित किया गया गाना है। इस गाने में लड़की को प्रेम में इंतजार करते हुए दिखाया गया है। मुझे लगता है कि एक गायक या गीतकार के रूप में, वह जो कुछ भी बनाते हैं, चाहे वह धुन हो या गाने के बोल, सब उनके दिल से आते हैं और यह कंपोजिशन में दिखता है। अनुपम और श्रेया ने पहली बार 2016 में रिलीज फिल्म प्रकटन के गाने कोलकाता में साथ काम किया था। इस गाने में बंगाली सिनेमा के मशहूर कलाकार प्रोसेनजीत चटर्जी और रितुपर्णा सेनगुप्ता ने काम किया था। अनुपम रॉय ने कहा, मैं आप सभी को बताना चाहता हूं कि मैं पिछले छह महीनों से इस रिकॉर्डिंग के लिए श्रेया का पीछा कर रहा था। जबसे मैं गाना बना रहा था, मुझे पता था कि यह गाना उसके लिए ही है। इस गाने को उसकी आवाज की जरूरत थी। आखिरकार, हम इसे करने में कामयाब रहे। हाल ही में निर्माताओं ने फिल्म का मोशन पोस्टर जारी किया। इसमें अबीर चटर्जी और निर्देशक–अभिनेता शिबोप्रसाद मुखर्जी को दिखाया गया है। 'बोहुरूपी' का निर्देशन नंदिता रॉय और शिबोप्रसाद मुखर्जी की जोड़ी ने किया है। इसमें अबीर चटर्जी, रिताभरी चक्रवर्ती, कौशानी मुखर्जी, शिबोप्रसाद मुखर्जी जैसे कलाकार अहम भूमिका में हैं। विंडोज प्रोडक्शन द्वारा निर्मित यह फिल्म दुर्गा पूजा के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

इमरजेंसी' की रिलीज से पहले कंगना रनौत का बॉलीवुड पर फूटा गुस्सा, बोली-वो मूर्ख, बेफकूफ हैं'

बॉलीवुड एक्ट्रेस और मंडी से सांसद कंगना रनौत इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'इमरजेंसी' को लेकर काफी चर्चा में हैं। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ, जिसमें एक्ट्रेस इंदिरा गांधी का रोल में बेहद ही दमदार लग रही थीं। ट्रेलर में कंगना रनौत की जबरदस्त एक्टिंग लोगों को काफी पसंद आ रही है। अब हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान कंगना रनौत ने बॉलीवुड सितारों को लेकर विवादित बयान दे दिया है। दरअसल राज शमानी के पॉडकास्ट में कंगना रनौत ने फिल्मी सितारों को ना सिर्फ स्टुपिड कहा बल्कि उन्हें मंदबुद्धि और पूरी तरह से खोखला भी बता दिया। इस पॉडकास्ट में एक्ट्रेस कंगना रनौत ने फिल्म सितारों को स्टुपिड बताते हुए कहा, 'मैं बॉलीवुड जैसी इंसान नहीं हूं, मैं बॉलीवुड के लोगों से दोस्ती नहीं कर सकती। बॉलीवुड के लोग बस अपने आप में ही मस्त रहते हैं। वे मूर्ख हैं और डंब हैं, प्रोटीन शेक३ वे टिड्डे की तरह हैं, बिल्कुल ब्लैंक। आप ऐसे लोगों से कैसे दोस्ती कर सकते हैं? उन्हें पता ही नहीं होता कि कहां क्या हो रहा है। उनकी कोई बातचीत नहीं है।' इसके अलावा कंगना रनौत ने बॉलीवुड सितारों की लाइफस्टाइल के बारे में बातचीत करते हुए कहा कि अगर वह शूटिंग नहीं कर रहे हैं तो वह केवल सुबह उठते हैं फिर थोड़ी एक्सरसाइज करते हैं। फिर दोपहर में सो जाते हैं और शाम को उठकर जिम जाते हैं और रात में टीवी देखते हैं। कंगना ने बात करते हुए आगे कहा, 'वो मिलते हैं, पीते हैं और चले जाते हैं. हे बेब, क्या बैग है! ओह माय गॉड, मुझे ये बैग बहुत अच्छा लगा!'. कंगना ने आगे कहा, 'वो कुछ राइटर और डायरेक्टर को भी जानती हैं, ऐसे नहीं हैं'. कंगना ने बॉलीवुड की पार्टियों पर बात करते हुए कहा, 'ये सफ फेक होता है'. इतना ही नहीं, एक्ट्रेस ने उन फेमस लोगों की नकल भी की, जो अपने शेड्यूल, वजन, डाइट और डेटिंग अफवाहों पर चर्चाओं में रहते हैं. कंगना ने कहा, 'ये ट्रॉमा है३ मेरे लिए बॉलीवुड की पार्टीज ट्रॉमा जैसी हैं। वहीं, अगर कंगना रनौत के वर्कफ्रंट की बात करें तो वे इन दिनों अपनी मच अवेटेड पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म 'इमरजेंसी' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं, जो रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार हैं. इस फिल्म में कंगना ने न केवल एक्टिंग की है बल्कि इसका निर्देशन भी किया है. फिल्म में एक्ट्रेस पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के किरदार में नजर आ रही हैं. फिल्म 1975 में लगी 'इमरजेंसी' पर आधारित है. कंगना के साथ इस फिल्म में अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, महिमा चौधरी, मिलिंद सोमन, और सतीश कौशिक जैसे कलाकार भी नजर आ रहे हैं, जो 6 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

निया शर्मा ने अपने भाई और क्रिस्टल डिसूजा को बांधी राखी, सोशल मीडिया पर शेयर किया तस्वीरें

अभिनेत्री निया शर्मा ने सोमवार को अपने भाई विनय और 'एक हजारों में मेरी बहना है' की सह–कलाकार क्रिस्टल डिसूजा को राखी बांधकर रक्षा बंधन का त्योहार मनाया और तस्वीरें साझा कीं। इंस्टाग्राम पर निया के 7.9 मिलियन फॉलोअर्स हैं। उन्होंने कई तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें हम उन्हें सफेद और नीले रंग के एथनिक सूट में देख सकते हैं। उन्होंने अपने बालों को बेहतरीन तरीके से संवारा है और नीले और सफेद रंग के लंबे झुमके के साथ अपने लुक को पूरा किया है। उनके भाई ने पीले रंग का कुर्ता और सफेद पायजामा पहना हुआ है। तस्वीर में निया अपने भाई को प्यार से गले लगाती हुई दिखाई दे रही हैं। निया का एक वीडियो भी है जिसमें वह अपने भाई की कलाई पर राखी बांध रही हैं और 'एक हजारों में मेरी बहना है' गा रही हैं। इसके बाद वह अपने भाई को चॉकलेट का एक डिब्बा और कुछ फल देती हुई दिखाई दे रही हैं। निया ने पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा है, "ये मेरा भाई है, मैं इसकी बहनें हूं और ये हमारा रक्षा बंधन"। निया के घर पर अभिनेत्री क्रिस्टल भी दिख रही हैं। क्रिस्टल द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में दिवा टाई–डाई प्रिंट वाला नीला और सफेद स्लीवलेस सूट पहने हुए दिखाई दे रही हैं। इस तस्वीर में बेस्टी निया और क्रिस्टल एक–दूसरे को राखी बांधती हुई दिखाई दे रही हैं। क्रिस्टल ने कैप्शन में लिखा, "बहन हूं मैं तेरी, खून का रिश्ता है हमारा। निया ने पोस्ट पर टिप्पणी की और कहा, "बहुत आसान कस्टमाइज्ड गिफ्ट बहुत पसंद आए. मैं बहुत अभिभूत हूं भाई वास्तव में प्रयास की सराहना करती हूं क्रिस्टल ने इसका जवाब देते हुए कहा, "लव यू बहना।

मौत की अफवाहों से परेशान हुए श्रेयस तलपड़े, रूमर्स पर फूटा गुस्सा, बोले- `मैं जिंदा हूं'

श्रेयस तलपड़े को लेकर बीते सोमवार को सोशल मीडिया पर ऐसी अफवाहें फैलने लगीं कि अभिनेता का निधन हो गया है। इन अफवाहों ने हर किसी को दंग कर दिया। अभिनेता के कुछ फैंस ने तो इन अफवाहों को सच समझ लिया और काफी इमोशनल हो गए। खुद श्रेयस भी इन अफवाहों को देखने के बाद हैरान और परेशान रह गए। बीते सोमवार की दोपहर ऐसी अफवाहें थीं कि श्रेयस तलपड़े अब इस दुनिया में नहीं रहे, जिन पर अब खुद अभिनेता ने प्रतिक्रिया दी है और लोगों से इस तरह की नुकसानदेय रूमर्स को ना फैलाने की अपील की है। श्रेयस तलपड़े ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसके साथ उन्होंने बताया कि वह ठीक हैं, खुश हैं और स्वस्थ हैं। साथ ही उन्होंने अपनी मौत की अफवाहों को लेकर नाराजगी और दुख भी जाहिर किया और बताया कि कैसे ये अफवाहें कई बार बहुत ज्यादा डिस्टर्बिंग होती हैं और असल नुकसान का कारण बन सकती हैं। उन्होंने कहा कि कई बार ये मजाक की तरह शुरू होता है, लेकिन जिसे लेकर ये अफवाहें फैलाई जाती हैं उसके परिवार के लिए यह चिंता, स्ट्रेस का कारण बन जाता है। श्रेयस तलपड़े ने अपने पोस्ट में लिखा–'डियर ऑल, मैं आप सबको यह बताना चाहता हूं कि मैं जिंदा हूं, खुश और हेल्दी हूं। मुझे मेरे निधन का दावा करने वाली एक वायरल पोस्ट के बारे में पता चला है। जबकि मुझे लगता है कि मजाक का अपना स्थान है, जब इसका दुरुपयोग होता है, तो यह वास्तविक नुकसान पहुंचा सकता है। जिसकी शुरुआत शायद किसी ने मजाक के रूप में की थी, वह अब गैरजरूरी चिंता पैदा कर रही है और उन लोगों की भावनाओं के साथ खेल रही है जो मेरी परवाह करते हैं, खासकर मेरे परिवार की।'

इसके बाद श्रेयस तलपड़े ने इन अफवाहों के अपनी बेटी पर असर के बारे में भी बताया। अपने पोस्ट में उन्होंने आगे लिखा– 'मेरी छोटी सी बेटी, जो हर दिन स्कूल जाती है, पहले से ही मेरी सेहत के बारे में चिंतित है और लगातार सवाल पूछती है और आश्वासन चाहती है कि मैं ठीक हूं। यह झूठी खबर उसके डर को और गहरा कर रही है, उसे अपने साथियों और शिक्षकों के अधिक सवालों का सामना करने के लिए मजबूर करती है, भावनाओं को भड़काती है जिसे हम एक परिवार के रूप में मैनेज करने की कोशिश कर रहे हैं।'जो भी इस कंटेंट को आगे बढ़ा रहे हैं, मैं उन सभी से इसके प्रभाव को समझते हुए इसे रोकने की अपील करता हूं। कई लोगों ने सच्चे दिल से मेरी भलाई के लिए प्रार्थना की है और यह निराशाजनक है कि हास्य का इस्तेमाल इस तरह से किया जाता है जो भावनाओं को ठेस पहुंचा सकता है, मेरे प्रियजनों को परेशान कर सकता है और हमारे जीवन को बाधित कर सकता है। जब आप इस तरह की अफवाहों को फैलाते हैं तो ये सिर्फ उसे ही इफेक्ट नहीं करता, जिसके बारे में ये अफवाहें फैलाई जा रही हैं, बल्कि उसके परिवार, खासतौर पर छोटे बच्चों को परेशान करता है, जो इसे पूरी तरह से नहीं समझ पाते और भावनात्मक तौर पर आघात महसूस करते हैं।' इसी के साथ श्रेयस ने उन सभी को शुक्रिया कहा, जिन्होंने इस खबर के बाद उनकी खैर–खबर ली। श्रेयस आगे लिखते हैं– 'मैं उन सभी का दिल से आभारी हूं, जिन्होंने इस मुश्किल समय में मुझसे बात की। आपकी चिंता और प्यार मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। ट्रोल्स के लिए मेरे पास एक सिंपल रिक्वेस्ट है– प्लीज स्टॉप। दूसरों की कीमत पर मजाक न करें और किसी और के साथ ऐसा न करें। मैं नहीं चाहूंगा कि आपके साथ कभी भी ऐसा कुछ हो, इसलिए कृपया संवेदनशील रहें। इंगेजमेंट्स और लाइक्स का पीछा कभी भी दूसरे की भावना की कीमत पर नहीं करना चाहिए।

स्वादिष्ट पनीर भुर्जी बनाने के लिए अपनाएं ये सिंपल टिप्स, उंगलियां चाट जाएंगे लोग

अधिकतर लोगों के घरों में अक्सर शाही पनीर, मटर पनीर, सिंपल पनीर और पनीर मसाला जैसी कई डिशेज बनती हैं। अब तो पनीर की सिर्फ सब्जी ही नहीं बल्कि स्नैक्स भी बनाकर तैयार किए जाते हैं। पनीर के पकोड़े, रोल और मोमोज तो लोग बड़े ही चाव से खाया जाता है। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि पनीर खाने में ही स्वादिष्ट नहीं होता है, बल्कि यह सेहत के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। वहीं कुछ महिलाएं पनीर के व्यंजन सिर्फ इसलिए बनाती हैं, क्योंकि वह जानती हैं कि पनीर सेहत के लिए लाभकारी होता है। अगर आप भी हफ्ते में पनीर की कोई न कोई रेसिपी बनाते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि शाही पनीर और मटर पनीर तो हर कोई बना लेता है, लेकिन पनीर भुर्जी हर कोई नहीं बना पाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ हैक्स बताने जा रहे हैं, जिनकी मदद से आप टेस्टी पनीर भुर्जी बना सकती हैं।

फ्रेश पनीर

पनीर भुर्जी को स्वादिष्ट बनाने के लिए आपको फ्रेश और स्वाद में ठीक पनीर लें। क्योंकि कई बार अधिक दिनों तक रखे रहने से पनीर का स्वाद खट्टा हो जाता है। ऐसे में आप पनीर की बनावट पर ध्यान देकर फ्रेश पनीर ले सकते हैं। तो वहीं बहुत सारे लोग पनीर को बनाने के लिए सिरका, नींबू या दही जैसे एसिड का इस्तेमाल करते हैं। अगर आप भी ऐसे ही पनीर बनाते हैं, तो इसके लिए एसिड का सही मात्रा में इस्तेमाल करना जरूरी है।

बारीक कटी हुई सब्जियां मिलाएं

पनीर भुर्जी में पनीर को चॉब्ड करके बनाया जाता है। ऐसे में आप इसमें सब्जियों को मिलाने के लिए एकदम बारीक काट लें और फिर इसको अच्छे से पकाएं। पहले सब्जियों को अच्छे से पकाएं और फिर उसमे पनीर को डालकर पकने दें। ऐसा करने से सब्जियों का सारा रस बाहर निकल जाएगा और वह पनीर में अच्छे से मिल जाएगी।

तेल की सही मात्रा

वैसे दिखने में तो भुर्जी बहुत सारी लगती है, लेकिन पकने के बाद यह कम हो जाती है। ऐसे में तेल, मसाले और दही की सही मात्रा का ध्यान रखें। क्योंकि अगर आप अधिक तेल डालेंगे, तो पकने के बाद भुर्जी एक तरफ और तेल अलग हो जाता है। ऐसे में प्रयास करें कि तेल की मात्रा अधिक न रखें। तेल न ज्यादा रखें और न कम रखें।

दही या क्रीम

कई लोगों को लगता है कि सिर्फ ग्रेवी वाले पनीर में क्रीम या दही का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन आप पनीर भुर्जी का स्वाद बढ़ाने के लिए आप दही का इस्तेमाल कर सकती हैं। वहीं पनीर भुर्जी के रूखेपन को दूर करने के लिए क्रीम का इस्तेमाल कर सकते हैं। आप चाहें तो क्रीम ऊपर से भी डाल सकती हैं। बस इसकी सही मात्रा का ध्यान रखें।

सूखी मेथी

आप पनीर भुर्जी में सूखी मेथी का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे स्वाद दोगुना हो जाएगा। बता दें कि आप पनीर भुर्जी में बनाने के समय और दूसरा सर्व करने के दौरान सूखी मेथी डाल सकती हैं।

चाहकर भी मीठा खाने पर नहीं हो रहा कंट्रोल, तो मिठाई की जगह इन चीजों के साथ मनाएं त्योहार

अकसर त्योहारों के दौरान हम चाहकर भी खुद को मीठे से दूर नहीं कर पाते हैं। यह हम सभी जानते हैं कि मीठा खाने से हमारे शरीर पर खतरनाक असर पड़ता है पर इसके बावजूद हम परवाह नहीं करते। अगर आपने त्योहारों पर कुछ ज्यादा ही मिठाइयां खा ली हैं, तो यहां कुछ उपाय दिए गए हैं जिनसे आप अपनी सेहत का ध्यान रख सकते हैं और मिठाई की जगह अन्य स्वस्थ विकल्पों के साथ त्योहार मना सकते हैं

हाइड्रेशन पर ध्यान दें

अधिक मिठाई खाने के बाद शरीर में शुगर की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे डिहाइड्रेशन हो सकता है। इसलिए, दिनभर में खूब पानी पिएं ताकि शरीर से अतिरिक्त शुगर निकल सके। ग्रीन टी या हर्बल चाय का सेवन करें। यह शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करता है और मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है।

फाइबर का सेवन बढ़ाएं

ताजे फल और सब्जियों का सेवन करें। इनमें फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो पाचन को सुधारते हैं और शरीर से अतिरिक्त शुगर को बाहर निकालने में मदद करते हैं। फाइबर युक्त अनाज और चिया सीड्स को अपने भोजन में शामिल करें। ये आपको लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस कराएंगे और अतिरिक्त कैलोरी को कम करेंगे।

प्रोटीन का सेवन

मिठाइयों की जगह दही, पनीर, या ग्रिल्ड चिकन जैसे प्रोटीन से भरपूर आहार का सेवन करें। प्रोटीन आपको ऊर्जा देगा और भूख को नियंत्रित करेगा।द बादाम, अखरोट, और सनफ्लावर सीड्स जैसी चीजों का सेवन करें। ये सेहत के लिए लाभकारी होते हैं और मिठाइयों के लिए अच्छी जगह ले सकते हैं।

हल्की एक्सरसाइज

मिठाई खाने के बाद थोड़ी देर टहलने जाएं। यह आपकी पाचन क्रिया को तेज करता है और ब्लड शुगर को नियंत्रित रखता है। योग के कुछ आसान अभ्यास जैसे ताड़ासन और वज्रासन पाचन और मेटाबॉलिज्म को सुधारने में मदद करते हैं।

डिटॉक्स ड्रिंक्स

सुबह–सुबह नींबू पानी पीना डिटॉक्स के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यह शरीर को साफ करता है और पाचन को सुधारता है। अदरक, नींबू, और शहद मिलाकर डिटॉक्स ड्रिंक बनाएं। यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने में मदद करेगा।

मीठे की जगह सेहतमंद विकल्प

– मिठाइयों की जगह फ्रूट सलाद खाएं। यह स्वादिष्ट होता है और सेहत के लिए भी अच्छा है।

– मिठाइयों की जगह आप ड्राई फ्रूट्स का सेवन कर सकते हैं। ये भी मीठे होते हैं और सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं।

–मिठाई की जगह गुड़ या खजूर का सेवन कर सकते हैं, जिसमें नेचुरल शुगर होता है और यह शरीर को जरूरी मिनरल्स भी प्रदान करता है।

–त्योहारी सीजन में अपने भोजन को पहले से प्लान करें। इससे आप जरूरत से ज्यादा खाने से बच सकते हैं।

– मिठाइयों का सेवन सीमित करें और अपनी प्लेट में हमेशा संतुलित आहार रखें।

इन तरीकों से आप त्योहारों के दौरान भी अपनी सेहत का ध्यान रख सकते हैं और मिठाइयों के ज्यादा सेवन के बाद होने वाले नुकसान से बच सकते हैं।

नाश्ते में बनाएं आलू सूजी डोनट, खाकर आ जाएगा मजा, नोट करें शेफ पंकज की यह रेसिपी

सुबह–सुबह बच्चों के नाश्ते के लिए क्या बनाएं? इन सबके टेंशन में मम्मी लोग परेशान रहती है कि आखिर क्या एकदम हटके और टेस्टी नाश्ता बनाएं। अब चिंता छोड़ो बस नाश्ते में इस डिश को बना लें। बच्चों से लेकर बड़े भी मांग–मांग कर खाएंगे। आज हम आपको लिए लेकर आए शेफ पकंज की यह बेहतरीन डिश की रेसिपी। घर पर बनाएं आलू सूजी डोनट। ये आलू सूजी डोनट्स, स्वादिष्ट डोनट्स हैं और सबसे अच्छे नाश्ते, चाय के समय के नाश्ते या यहां तक कि टिफिन व्यंजनों में से एक हैं। आइए जानते हैं रेसिपी

आलू सूजी डोनट्स की रेसिपी

– तैयारी का समयः 15 मिनट

– पकाने का समयः 15 मिनट

– 3–4 लोगों के लिए

आलू सूजी डोनट्स की सामग्री

–3 मध्यम आकार के आलू

–1 ½ कप पानी

–1 प्याज, कटा हुआ

–1 बड़ा चम्मच कटी हुई हरी मिर्च

–1 छोटा चम्मच सरसों के बीज

–स्वादानुसार नमक

–1 छोटा चम्मच चिली फ्लेक्स

–1 बड़ा चम्मच कटा हुआ अदरक

–1 बड़ा चम्मच तिल

–2 बड़ा चम्मच धनिया, कटा हुआ

–1 कप सूजी

–1 बड़ा चम्मच तेल

–1 छोटा चम्मच काली मिर्च पाउडर

–तलने के लिए तेल

आलू सूजी डोनट्स बनाने का विधि

– सबसे पहले आप आलू को कद्दूकस कर लें। एक पैन में आलू को पानी के साथ डालें। आलू के नरम होने तक पकाएं। प्याज, अदरक, हरी मिर्च, सरसों के बीज, नमक, लाल मिर्च के टुकड़े, तिल डालें और अच्छी तरह मिलाएं, ढककर मध्यम आंच पर 5–6 मिनट तक पकाएं।

–सूजी डालें और अच्छी तरह मिलाएं। धीमी आंच पर मिश्रण को मोड़ें और चम्मच के पिछले हिस्से से सभी गांठें तोड़ें। तब तक पकाएं जब तक मिश्रण पैन के किनारे न छोड़ दे।

–आंच बंद कर दें, खाना पकाने का तेल, ताजा धनिया डालें और अच्छी तरह मिलाएं और ठंडा होने दें। हाथों पर तेल लगाएं और मिश्रण को चिकना आटा गूंथ लें।

–चिकने हाथों से नींबू के आकार का मिश्रण लें और बॉल बनाएं और डोनट जैसा आकार दें। एक पैन में 1 इंच तेल गरम करें और मध्यम आंच पर दोनों तरफ से सुनहरा और कुरकुरा होने तक तलें। टोमैटो केचप के साथ परोसें।

नसों में दौड़ने लगेगा खून ही खून, बस रोज खाएं यह छोटी सी चीज

स्वस्थ जीवन के लिए हमारे आहार में अक्सर ऐसी छोटी–छोटी चीजें शामिल होती हैं, जिनके अद्भुत लाभ होते हैं। ऐसी ही एक महत्वपूर्ण चीज है कद्दू के बीज। ये छोटे से बीज अपने पोषक तत्वों के भरपूर खजाने के साथ नसों में खून की वृद्धि और शरीर को ऊर्जा देने में सहायक हैं। रोजाना कद्दू के बीज का सेवन करने से आपके शरीर में आयरन, मैग्नीशियम, और एंटीऑक्सीडेंट्स की सही मात्रा पहुंचती है, जिससे खून की कमी दूर होती है और समग्र स्वास्थ्य में सुधार होता है। इन बीजों को अपनी डाइट में शामिल करने से शरीर को कई महत्वपूर्ण फायदे मिल सकते हैं। आप जीवन में बेहतरी और ताजगी का अहसास कर सकते हैं। चलिए आपको इनके फयादो के बारे में बताते हैं।

आयरन का अच्छा स्रोत

कद्दू के बीज आयरन का उत्कृष्ट स्रोत होते हैं, जो रक्त निर्माण और ओक्सिजन की आपूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आयरन की सही मात्रा में उपस्थिति से शरीर में खून की कमी की समस्याएं कम हो सकती हैं और ऊर्जा स्तर में सुधार होता है।

मैग्नीशियम की भरपूर मात्रा

इन बीजों में मैग्नीशियम की भी भरपूर मात्रा होती है, जो हड्डियों की मजबूती, मांसपेशियों की कार्यक्षमता और दिल की सेहत के लिए आवश्यक है। मैग्नीशियम तनाव को कम करने और नींद को बेहतर बनाने में भी मदद करता है।

एंटीऑक्सीडेंट गुण

कद्दू के बीज में एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे विटामिन म और जिंक होते हैं, जो शरीर को मुक्त कणों से बचाते हैं और उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करते हैं। ये तत्व त्वचा की सेहत को भी बनाए रखते हैं।

प्रोटीन का अच्छा स्रोत

कद्दू के बीज प्रोटीन से भरपूर होते हैं, जो मांसपेशियों के निर्माण, ऊतकों की मरम्मत और समग्र स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। यह विशेष रूप से वेजिटेरियन और वेगन के लिए एक अच्छा प्रोटीन स्रोत है।

डाइजेस्टिव हेल्थ में सुधार

इन बीजों में फाइबर की अच्छी खासी मात्रा होती है, जो पाचन तंत्र को स्वस्थ बनाए रखने में सहायक होती है। यह कब्ज और अन्य पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करने में मदद करता है।

हार्ट हेल्थ के लिए लाभकारी

कद्दू के बीज में ओमेगा–3 और ओमेगा–6 फैटी एसिड्स होते हैं, जो हृदय रोगों के जोखिम को कम करने और रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करते हैं।

इम्यून सिस्टम को बूस्ट करें

इन बीजों में जिंक की अच्छी मात्रा होती है, जो शरीर के इम्यून सिस्टम को सशक्त करता है और संक्रमणों से बचाता है। जिससे मौसमी बीमारियों, सर्दी–जुकाम, और अन्य संक्रमणों से बचाव होता है। इसके अतिरिक्त, जिंक त्वचा की सेहत में भी सुधार करता है और चोटों की तेजी से ठीक होने में मदद करता है। कद्दू के बीज एक छोटे लेकिन शक्तिशाली पोषण स्रोत हैं। इन्हें अपनी डाइट में शामिल करने से आप विभिन्न स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इन्हें नाश्ते में, सलाद में, या सीधे स्नैक के रूप में खा सकते हैं। अपने आहार में विविधता लाने और स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए कद्दू के बीज को एक आदत बना सकते हैं।

संक्षिप्त

बायजू कंपनी के कर्मचारियों को नहीं दे सकी जुलाई का वेतन, रवींद्रन ने बताया कारण

बायजू कंपनी एक एडटेक फर्म थिंक एंड लर्न फर्म है, जो बीते कई दिनों से चर्चा में बनी हुई है। बायजू को बार बार कंपनी के कर्मचारियों को वेतन देने में समस्या का सामना करना पड़ रहा है। कंपनी के कर्मचारियों को जुलाई का वेतन नहीं दिया गया है। कंपनी राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई अस्थायी रोक के कारण अपने खातों तक पहुंचने में असमर्थ थी। ये जानकारी कंपनी के मालिक बायजू रवींद्रन ने दी है। यह एनसीएलएटी द्वारा बीसीसीआई के साथ 158.9 करोड़ रुपये के बकाया निपटान को मंजूरी देने और 2 अगस्त को बायजू के खिलाफ दिवालियेपन की कार्यवाही को रद्द करने के बाद आया है। हालांकि, 14 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने अमेरिका स्थित लेनदार ग्लास ट्रस्ट कंपनी एलएलसी की याचिका के आधार पर कंपनी के खिलाफ दिवालियेपन की कार्यवाही को रद्द करने वाले दिवाला अपीलीय न्यायाधिकरण के फैसले पर रोक लगा दी थी। बायजू रवींद्रन ने कर्मचारियों को भेजे ईमेल में कहा कि हर कानूनी बाधा ने कंपनी की रिकवरी की लंबी यात्रा को लंबा कर दिया है। उन्होंने लिखा, ष्मैं आपके लिए और मेरे लिए भी सबसे बड़ी चिंता का विषय है। जुलाई 2024 का वेतन अभी तक आपके खाते में जमा नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, हमारी कंपनी ने हाल ही में एक गंभीर चुनौती का सामना किया, जिसने बीसीसीआई के साथ विवाद के कारण हमें दिवालिया घोषित कर दिया। हमने मामले को सुलझा लिया और एनसीएलएटी द्वारा हमारे पक्ष में फैसला सुनाए जाने के बाद हम अपने वित्त पर नियंत्रण पाने के कगार पर थे। सर्वोच्च न्यायालय ने एनसीएलएटी के फैसले पर अस्थायी रोक लगा दी है, जिसका मतलब है कि कंपनी के खातों का नियंत्रण अभी तक हमें वापस नहीं मिला है।ष उन्होंने कहा कि कुछ विदेशी ऋणदाता कंपनी के खिलाफ मुकदमा कर रहे हैं और उन्होंने एनसीएलएटी के फैसले के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में अपील की है। उन्होंने कहा, ष्संस्थापक वेतन देने के लिए अधिक पूंजी लगाने में असमर्थ हैं, जैसा कि हमने पिछले कई महीनों में हमेशा किया है। मैं इसकी गारंटी देता हूंरू जब हम नियंत्रण हासिल कर लेंगे, तो आपके वेतन का भुगतान तुरंत किया जाएगा, भले ही इसका मतलब अधिक व्यक्तिगत ऋण उठाना हो। यह केवल एक वादा नहीं है – यह एक प्रतिबद्धता है। हमारे पास हमारे बदलाव की कहानी का समर्थन करने के लिए निवेशक तैयार हैं।

अमूल ने हासिल की खास उपलब्धि, बना दुनिया का सबसे मजबूत खाद्य ब्रांड

अमूल कंपनी भारत ही नहीं बल्कि कई देशों में उपलब्ध है, जिसने अब खास स्थिति हासिल की है। ब्रांड फाइनेंस की ग्लोबल फूड एंड ड्रिंक्स रिपोर्ट 2024 की मानें तो अमूल अब दुनिया का सबसे मजबूत फूड ब्रांड बन गया है। कंपनी को ये उपलब्धि प्रभावशाली ब्रांड स्ट्रेंथ इंडेक्स स्कोर के कारण मिली है। अमूल का स्कोर 100 में से 91 है जिस कारण कंपनी को AAA+ रेटिंग दी गई है। कंपनी के ब्रांड मूल्य में 2023 से 11 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली है। हाल ही में आई रैंकिंग में बढ़ोतरी का कारण परिचितता, विचार और अनुशंसा मीट्रिक में उच्च स्कोर को जाता है। अमूल ने अपनी AAA+ ब्रांड स्ट्रेंथ रेटिंग हर्षे के साथ शेयर की है। हालांकि हर्षे कंपनी की ब्रांड वैल्यू में 0.5 प्रतिशत की गिरावट आई है। अब हर्षे कंपनी की वैल्यू +3. 9 बिलियन पर आ गई है। इससे पहले पिछले वर्ष की बात करें तो ये सूची में शीर्ष पर था जो अब दूसरे स्थान पर आ गया है। वर्तमान में, अमूल भारत के डेयरी बाजार पर हावी है, जिसमें दूध बाजार का लगभग 75 प्रतिशत, मक्खन बाजार का 85 प्रतिशत और पनीर बाजार का 66 प्रतिशत हिस्सा है। ब्रांड फाइनेंस इंडिया के प्रबंध निदेशक अजीमोन फ्रांसिस ने बताया कि ब्रांड की ताकत का मूल्यांकन 35 से अधिक मापदंडों का उपयोग करके किया जाता है, जिसमें विज्ञापन का प्रभाव, उत्पाद विविधता, उपभोक्ता गुणवत्ता धारणाएं, सोशल मीडिया प्रभाव और वेब ट्रैफ़िक शामिल हैं। ब्रांड फाइनेंस के मूल्यांकन निदेशक सैवियो डिसूजा ने कहा, खाद्य और पेय उद्योग उपभोक्ता वरीयताओं के विकास के कारण तेजी से बदलाव के दौर से गुजर रहा है। जबकि ब्रांड मूल्य में गिरावट एक चुनौती है, यह नवाचार के अवसर भी प्रस्तुत करता है। मजबूत ब्रांड उद्देश्य का प्रदर्शन करके और असाधारण उपभोक्ता अनुभव प्रदान करके इन रुझानों को सफलतापूर्वक अपनाने वाले ब्रांड इस नए परिदृश्य में सफल होंगे। व्यापक बाजार में, नेस्ले वैश्विक स्तर पर सबसे मूल्यवान खाद्य ब्रांड बना हुआ है, जिसका मूल्य 20.8 बिलियन डॉलर है। लेज़ 12 बिलियन डॉलर के मूल्यांकन के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गया और गैर–अल्कोहल पेय क्षेत्र में, कोका–कोला अग्रणी बना हुआ है, जिसके बाद पेप्सी दूसरे स्थान पर है।

रुपया शुरुआती कारोबार में सात पैसे की गिरावट के साथ 83.84 प्रति डश्वलर पर

घरेलू शेयर बाजार में नरम रुख और विदेशी पूंजी के निरंतर प्रवाह के बीच रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में सात पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83. 84 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कमजोर अमेरिकी मुद्रा तथा कच्चे तेल की कम कीमतों ने स्थानीय मुद्रा को समर्थन दिया और इसकी गिरावट सीमित की। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में रुपया 83.79 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.84 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो उसके पिछले बंद भाव से सात पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया मंगलवार को 83.77 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 प्रतिशत की बढ़त के साथ 101.31 पर रहा। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ 77. 07 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) पूंजी बाजार में मंगलवार को बिकवाल रहे और शुद्ध रूप से 1,457.96 करोड़ रुपये की कीमत के शेयर बेचे।

मिशेल स्टार्क का बयान, कहा- ऑस्ट्रेलिया के लिए एशेज के समान अहम है बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क का मानना घ्है कि भारत के खिलाफ होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्राफी में तीन दशक में पहली बार पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे जिससे यह श्रृंखला उनकी टीम के लिए प्रतिष्ठित एशेज के समान महत्वपूर्ण हो गई है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच नवंबर में शुरू होने वाली महत्वपूर्ण श्रृंखला में 1991–92 के बाद पहली बार पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे। स्टार्क ने वाइड वर्ल्ड ऑफ स्पोर्ट्स से कहा,''इस बार यह पांच मैच की श्रृंखला होगी जिससे यह एशेज श्रृंखला के समान महत्वपूर्ण हो गई है।'' ऑस्ट्रेलिया 2014–15 के बाद से बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी नहीं जीत पाया है जबकि भारत ने इस बीच लगातार चार श्रृंखला जीती हैं। भारत ने इस दौरान दो बार 2018–19 और 2020–21 में ऑस्ट्रेलिया को उसकी धरती पर हराया। स्टार्क न केवल श्रृंखला जीतने का इरादा रखते हैं, बल्कि वह चाहते हैं कि उनकी टीम क्लीन स्वीप करे, विशेष कर तब जबकि यह श्रृंखला विश्व टेस्ट चौंपियनशिप का हिस्सा है। उन्होंने कहा,''हम अपनी घरेलू धरती पर प्रत्येक मैच में जीत हासिल करना चाहते हैं और हम यह भी जानते हैं कि भारत की टीम काफी मजबूत है।'' भारत विश्व टेस्ट चौंपियनशिप की तालिका में अभी पहले जबकि ऑस्ट्रेलिया दूसरे स्थान पर है। स्टार्क ने कहा,''भारत और ऑस्ट्रेलिया अभी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज हैं। इसलिए प्रशंसकों और निश्चित रूप से खिलाड़ियों के लिए एक बहुत ही रोमांचक श्रृंखला होने वाली है। उम्मीद है कि आठ जनवरी को ट्रॉफी हमारे हाथ में होगी।'' स्टार्क 100 टेस्ट मैच खेलने से केवल 11 मैच दूर हैं और बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज का अभी लंबी अवधि के प्रारूप से संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा,''जब भी मुझे बैगी ग्रीन कैप पहनने का मौका मिलता है तो यह बहुत खास लगता है। उम्मीद है कि गर्मियों के सत्र में हम पांचो टेस्ट मैच जीतने में सफल रहेंगे। जहां तक 100 टेस्ट मैच खेलने का सवाल है तो निश्चित तौर पर यह बहुत खास होगा।'' स्टार्क अगले महीने सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए इंग्लैंड जाएंगे और इसके बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी की तैयारी के लिए न्यू साउथ वेल्स की तरफ से घरेलू क्रिकेट में खेलेंगे। उन्होंने कहा, ''मेरे लिए टेस्ट क्रिकेट हमेशा प्राथमिकता में रहा है। आगामी सत्र में हमें सात टेस्ट मैच खेलने हैं। इनमें से पांच भारत और दो श्रीलंका के खिलाफ होंगे। हमारे लिए ये मैच प्राथमिकता में हैं। हम सभी अभी भारत के खिलाफ होने वाली श्रृंखला के लिए तैयारी कर रहे हैं।

यूएई में होगा विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2024, आईसीसी ने बांग्लादेश से छीनी मेजबानी

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने बांग्लादेश में हुई हिंसा और तख्तापलट के बाद देश के हालात ठीक नहीं है। जिसके बाद बांग्लादेश से विमेंस टी20 वर्ल्ड कप की मेजबानी छीन ली गई। अब 3 अक्टूबर से यूएई में 10 टीमों का विमेंस टूर्नामेंट खेला जाएगा। हालांकि, टूर्नामेंट के होस्टिंग राइट्स बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड यानी बीसीबी के पास ही रहेंगे।

विमेंस टी20 वर्ल्ड कप अब यूनाइटेड अरब एमिरेट्स में होगा। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने बांग्लादेश में हुई हिंसा और तख्तापलट के बाद देश के हालात ठीक नहीं है। जिसके बाद बांग्लादेश से विमेंस टी20 वर्ल्ड कप की मेजबानी छीन ली गई। अब 3 अक्टूबर से यूएई में 10 टीमों का विमेंस टूर्नामेंट खेला जाएगा। हालांकि, टूर्नामेंट के होस्टिंग राइट्स बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड यानी बीसीबी के पास ही रहेंगे।

आईपीएल 2025: जहीर खान बन सकते हैं लखनऊ सुपर जायंट्स के मेंटर, 2 और टीमें कर रही संपर्क

गौतम गंभीर के भारतीय क्रिकेट टीम का हेड कोच बनने के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स अपने कोचिंग सेटअप में जहीर खान को जोड़ना चाह रही। ऐसा माना जा रहा है कि दो अन्य फ्रेंचाइजी भी जहीर को टीम में शामिल करने के लिए इच्छुक थीं, जो हाल ही मुंबई इंडियंस में वैश्विक विकास के प्रमुख थे इससे पहले वह 2018–2022 तक फ्रेंचाइजी के क्रिकेट डायरेक्ट थे। पिछले साल के आखिर में गौतम गंभीर के जाने के बाद से लखनऊ सुपर जायंट्स बिना किसी मेंटर के है। गंभीर, जो उस सपोर्ट ग्रुप का हिस्सा थे जिसने 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स को अपना तीसरा आईपीएल खिताब दिलाने में मदद की थी। इसके बाद वो भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच बन गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज मोर्ने मोर्कल, जो एलएसजी के गेंदबाजी कोच थे, अब उसी भूमिका में भारतीय टीम में शामिल हो गए हैं। मेंटर की भूमिका के अलावा, लखनऊ सुपर जायंट्स जहीर को और बड़ी भूमिका देना चाहती है।

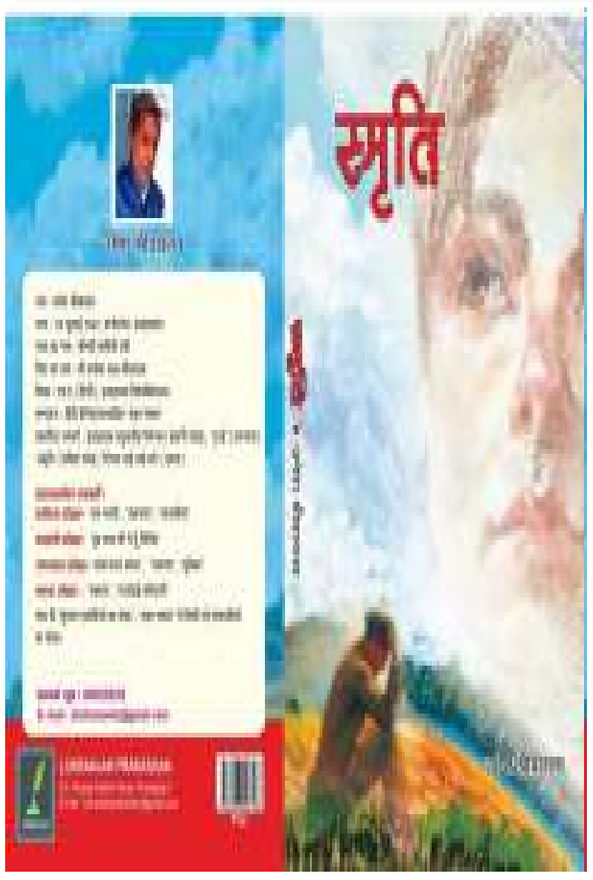

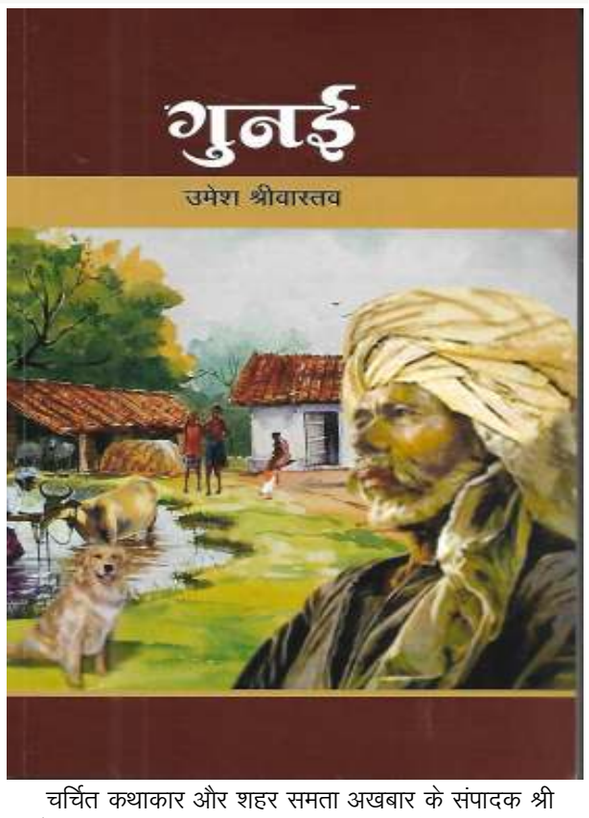

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

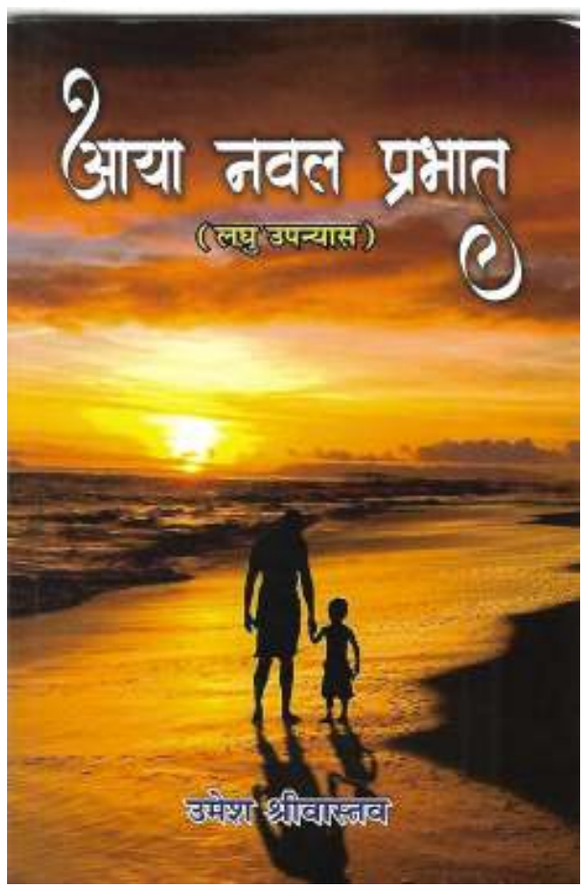

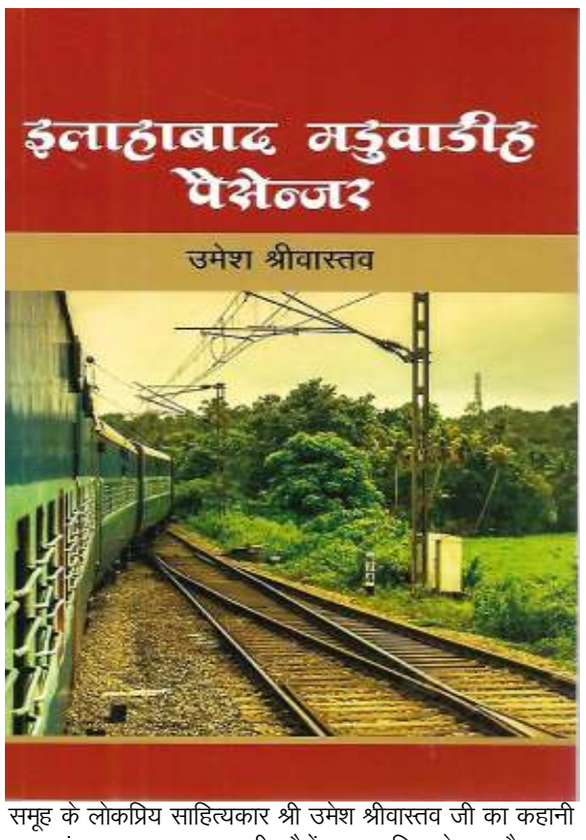

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

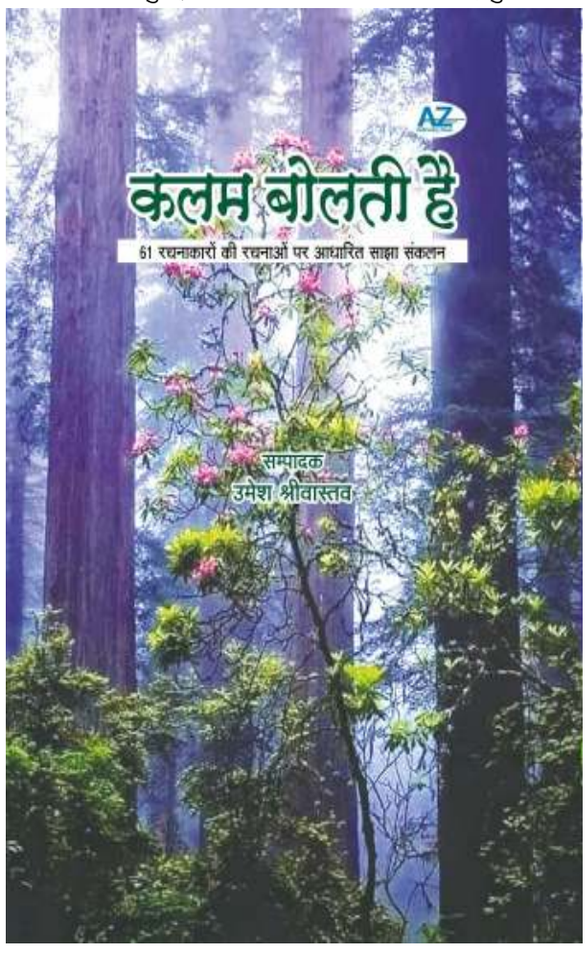

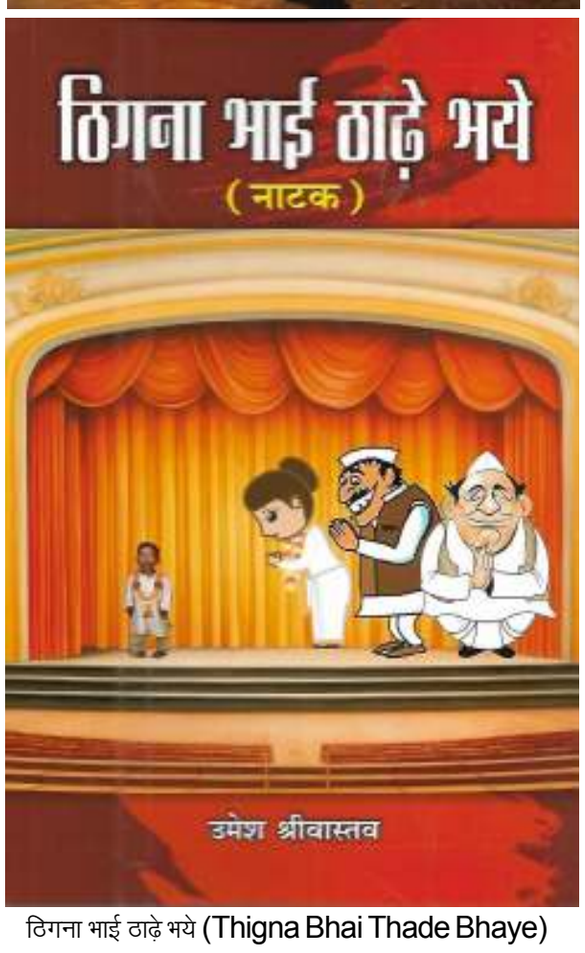

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

अमेरिका राष्ट्रपति चुनाव : हैरिस ने विस्कॉन्सिन और ओबामा ने शिकागो में किया प्रचार

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के नवंबर में प्रस्तावित चुनाव के लिए प्रचार अभियान के तहत उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने विस्कॉन्सिन में जनसभा की, जबकि पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और उनकी पत्नी मिशेल ओबामा ने शिकागो में हैरिस के समर्थन में प्रचार किया। बराक ओबामा ने शिकागो में 'डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेशन (डीएनसी)' में कहा, ''मुझे उम्मीद दिख रही है।'' इससे पहले, मिशेल ने जनसभा में कहा, ''हवा में कुछ जादुई सा है, क्या ऐसा नहीं है?'' उन्होंने कहा, ''अमेरिका, उम्मीद लौट रही है।'' इससे पहले, राष्ट्रपति पद के चुनाव में

डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार हैरिस ने विस्कॉन्सिन में कहा कि वह ''एक जन–संचालित प्रचार अभियान कर रही हैं।'' विस्कॉन्सिन में पिछले महीने रिपब्लिकन पार्टी का सम्मेलन हुआ था। उपराष्ट्रपति ने कहा, ''हम सब मिलकर आगे बढ़ने का नया रास्ता तैयार करेंगे।... स्वतंत्रता, अवसर, आशावाद और विश्वास का भविष्य बनाएंगे।'' अमेरिका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कहा, ''इतिहास (मौजूदा राष्ट्रपति) जो बाइडन को एक ऐसे राष्ट्रपति के रूप में याद रखेगा, जिन्होंने बहुत खतरे के समय में लोकतंत्र की रक्षा की। जो, शुक्रिया। मुझे उन्हें अपना राष्ट्रपति कहने में गर्व होता है, लेकिन मुझे उससे भी अधिक गर्व इस बात पर है कि वह मेरे मित्र हैं।'' सांसद चक शूमर और बर्नी सैंडर्स ने भी हैरिस की प्रशंसा की। इस प्रचार अभियान के दौरान ट्रंप की पूर्व प्रेस सचिव और अब उनकी कट्टर आलोचक स्टेफनी ग्रिशम ने भी हैरिस की तारीफ करते हुए कहा, ''ट्रंप में कोई सहानुभूति, कोई नैतिकता और सच्चाई के प्रति कोई निष्ठा नहीं है। मैं अपनी पार्टी से अधिक अपने देश से प्यार करती हूं। कमला हैरिस सच बोलती हैं। वह अमेरिकी लोगों का सम्मान करती हैं और मेरा वोट उनके साथ है।

पश्चिमी टेक्सास में विमान दुर्घटना में दो लोगों की मौत, एक महिला घायल

पश्चिमी टेक्सास के पास मंगलवार को एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना में पायलट और एक यात्री की मौत हो गई तथा एक महिला घायल हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ओडेसा हवाई अड्डे से उड़ान भरने के बाद विमान अधिक ऊंचाई तक नहीं जा सका और बिजली के खंभे से टकरा गया इसके बाद करीब सात बजे एक गली में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना में विमान सवार दोनों लोगों की मौत हो गई। एक्टर काउंटी के शेरिफ माइक ग्रिफिस ने कहा, ''स्पष्ट रूप से पायलट ने घरों को बचाने का प्रयास किया था।'' उन्होंने

बताया कि विमान दुर्घटना के बाद कुछ विस्फोट हुए और विमान का मलबा नीचे गिरा जिससे कुछ मकानों में भीषण आग लग गई। ओडेसा दमकल विभाग के प्रमुख जेसन कॉटन ने बताया कि एक जलते हुए घर से एक घायल महिला को बचाया गया और उसे अस्पताल ले जाया गया। आग से वाहनों, तारबंदी और एक रेस्तरां को भी नुकसान पहुंचा है। टेक्सास लोक सुरक्षा विभाग ने पायलट की पहचान ह्यूस्टन के उपनगर बेलेयर निवासी जोसेफ विंसेंट सुम्मा (48) के रूप में की और यात्री की पहचान ह्यूस्टन के पूर्व में स्थित ऑरेंज निवासी जोलीन कैवेरेटा वेदरली (49) के रूप में की है। संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) ने कहा कि विमान सेसना साइटेशन बिजनेस जेट था। एफएए और राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड मामले की जांच करेंगे।

दोहा से आई तस्वीर ने बढ़ा दी भारत-इजरायल की टेंशन, हमास और हाफिज मिलकर क्या नया करने

एक तस्वीर जिसमें भारत और इजरायल दोनों के दुश्मन एक साथ बैठे नजर आ रहे हैं। यानी भारत और इजरायल के दुश्मनों ने खुलेआम हाथ मिला लिया है। एक तरफ इजरायल के दुश्मन हमास के आतंकी तो दूसरी तरफ भारत के मोस्ट वांटेड आतंकवादी हाफिज सईद के लश्कर–ए–तैयबा के आतंकी दिख रहे हैं। इस तस्वीर ने भारत और इजरायल में हड़कंप मचा दिया है। पाकिस्तान का कुख्यात आतंकवादी हाफिज सईद हमास के संपर्क में है। आपको याद होगा कि हमास के स्माइल हानियां को मार दिया गया था। इसी कड़ी में लश्कर–ए–तैयबा प्रमुख हाफिज सईद ने अपने कुछ आतंकवादियों को कतर की राजधानी दोहा में भेजा है। लश्कर के इन आतंकियों ने हमास के आतंकियों से मुलाकात की है। इन मुलाकात को करवाने वाला पाकिस्तान है। बिना पाकिस्तान की मंजूरी के लश्कर के आतंकी हमास से नहीं मिल सकते थे। लेकिन आपको बता दें कि लश्कर और हमास की मुलाकात सिर्फ इस्माइल हानिया के लिए नहीं है। इन दोनों के निशाने पर अब भारत और इसराइल आ चुके हैं। दोहा में आतंकियों की इस बैठक में अमेरिका द्वारा वैश्विक आतंकवादी घोषित किए

गए लश्कर–ए–तैयबा (एलईटी) नेता सैफुल्ला खालिद और हमास नेता खालिद मेशाल से मिला है। बता दे कि हमास भी भारत विरोध में उतर आया है। खालिद को 2018 में अमेरिकी ट्रेजरी विभाग द्वारा आतंकवादी नामित किया गया था और वर्तमान में पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग (पीएमएमएल) का नेता है। पीएमएमएल एलईटी का एक राजनीतिक फ्रंट संगठन है। वीडियो में पीएमएमएल के उपाध्यक्ष फैसल नदीम, जिन्हें पाकिस्तान के सिंध प्रांत में लश्कर–ए–तैयबा के प्रमुख के रूप में उनकी भूमिका के लिए अमेरिका द्वारा नामित किया गया है, और पाकिस्तान में मेशाल के प्रतिनिधि नाजी जहीर अस–सरमी को भी दिखाया गया है। वीडियो के अनुसार, लश्कर–ए–तैयबा के नेताओं ने तेहरान में एक संदिग्ध इजरायली हमले में हमास नेता इस्माइल हानियेह की हत्या पर अपनी संवेदना व्यक्त करने के लिए मेशाल से मुलाकात की।

सीमा पार से यूक्रेन के हमलों के बीच पुतिन ने अचानक चेचन्या का दौरा किया

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मंगलवार को रूसी संघ के भीतर मुख्य रूप से मुस्लिम गणराज्य चेचन्या का अचानक दौरा किया। यह लगभग पिछले 13 साल में चेचन्या का उनका पहला दौरा है। यह दौरा ऐसे समय में हुआ है, जब यूक्रेन सीमा पार से पश्चिमी रूस में तीन सप्ताह से लगातार हमले कर रहा है। रूस के कुर्स्क क्षेत्र में कीव के आक्रमण से युद्ध की दिशा बदल रही है और यूक्रेन की युद्ध से थकी हुई जनता का मनोबल बढ़ रहा है। हालांकि, इस आक्रमण के अंतिम परिणाम की भविष्यवाणी करना अभी संभव नहीं है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद रूस पर किया गया यह पहला हमला है। पुतिन का

स्वागत चेचन्या के स्वयंभू दबंग नेता रमजान कादिरोव ने किया। पुतिन ने वहां विशेष बल अकादमी का दौरा किया और यूक्रेन में तैनात होने से पहले वहां प्रशिक्षण लेने वाले स्वयंसेवी लड़ाकों से बातचीत की। इस अकादमी का नाम पुतिन के नाम पर रखा गया है। रूस की सरकारी एजेंसियों की रिपोर्ट के अनुसार, पुतिन ने इन स्वयंसेवी लड़ाकों की प्रशंसा की और कहा कि जब तक रूस के पास उनके जैसे लोग हैं, तब तक उसे ''कोई हरा नहीं'' सकता। कादिरोव ने अपने आधिकारिक 'टेलीग्राम' चौनल पर एक पोस्ट में कहा कि मॉस्को द्वारा यूक्रेन में अपना ''विशेष सैन्य अभियान'' शुरू किए जाने के बाद से स्वयंसेवकों सहित 47,000 से अधिक लड़ाके इस केंद्र में प्रशिक्षण ले चुके हैं। चेचन्या के लड़ाके यूक्रेन के साथ संघर्ष में दोनों पक्षों की ओर से लड़ रहे हैं। तत्कालीन सोवियत संघ के पतन के बाद स्वतंत्रता समर्थक लड़ाकों का रूसी सरकारी बलों के साथ कई वर्षों तक युद्ध चला। दिवंगत चेचन नेता जोखर दुदायेव के प्रति वफादार कीव समर्थक स्वयंसेवक पुतिन और कादिरोव का समर्थन करने वाली चेचन सेना के कट्टर दुश्मन हैं। जोखर दुदायेव आजादी समर्थक नेता थे। पुतिन मंगलवार को कादिरोव के पिता एवं पूर्व चेचन नेता अखमत कादिरोव की कब्र, एक कमांड पोस्ट और स्थानीय राजधानी ग्रोज्नी की एक मस्जिद में भी गए।

पाकिस्तान से इराक जा रहे शिया तीर्थयात्रियों की बस ईरान में दुर्घटनाग्रस्त, 35 पाकिस्तानियों की मौत, 18 घायल

डॉन न्यूज टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के यज़्द में एक चेकपोस्ट पर बस पलटने से कम से कम 35 पाकिस्तानी तीर्थयात्रियों की मौत हो गई और 18 घायल हो गए। सरकारी समाचार एजेंसी इरना के अनुसार, स्थानीय आपातकालीन अधिकारी मोहम्मद अली मालेकज़ादेह ने बताया कि दुर्घटना मंगलवार रात मध्य ईरानी प्रांत यज़्द में हुई। तीर्थयात्री अरबाईन मनाने के लिए इराक जा रहे थे, जो 7वीं शताब्दी में एक शिया संत की मृत्यु के

40वें दिन मनाया जाता है। यज़्द प्रांत के संकट प्रबंधन महानिदेशक ने सरकारी टीवी को बताया, ष्दुर्भाग्य से, इस दुर्घटना में 11 महिलाओं और 17 पुरुषों की जान चली गई। घायलों में से सात की हालत गंभीर है और छह घायल लोग अब अस्पताल से चले गए हैं। अधिकारी ने कहा कि ईरान में पाकिस्तान की वाणिज्य दूतावास सेवाओं को दुर्घटना की जानकारी लेने के लिए यज़्द प्रांत में आमंत्रित किया गया है। लाखों शिया मुसलमान वर्तमान में इराक के कर्बला प्रांत में अरबाईन तीर्थयात्रा में भाग ले रहे हैं। यह आयोजन शिया इस्लाम के एक केंद्रीय व्यक्ति और पैगंबर मुहम्मद के पोते इमाम हुसैन बिन अली की शहादत के बाद 40वें शोक का प्रतीक है।

मुश्किल में थी बच्चों की जान, दिग्विजय ने बचाए सभी के प्राण, भारत के महाराजा जो पोलैंड के घर-घर में पूजे जाते हैं

एक ऐतिहासिक यात्रा के तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस साल 21 और 22 अगस्त को पोलैंड के दौरे पर रवाना हो गए। पिछले 45 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली पोलैंड यात्रा है। दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 70वीं वर्षगांठ के अवसर पर, यह यात्रा द्विपक्षीय संबंधों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। भारत और पोलैंड के बीच राजनयिक संबंध 1954 में स्थापित हुए, जिसके परिणामस्वरूप 1957 में वारसॉ में भारतीय दूतावास और 1954 में नई दिल्ली में पोलिश दूतावास खोला गया। भारत और पोलैंड संबंधों का इतिहास बेहद ही पुराना और दिलचस्प रहा है। वहां एक भारतीय महाराज की घर घर में पूजा तक की जाती है। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, हजारों पोल्स अपना देश छोड़कर भाग गए और दुनिया भर में शरण ली। मदद करने वाले पहले देशों में से एक भारत था, जिसकी शुरुआत तथाकथित श्अच्छे महाराजाश जाम साहब से हुई,

जिन्होंने कई पोलिश अनाथ बच्चों को अपने पास रखा। 1940 के दशक में हिटलर का पोलैंड पर आक्रमण हुआ तो वहां सैनिकों ने महिलाओं और बच्चों को एक जहाज में बिठाकर रवाना कर दिया। नवानगर (वर्तमान में गुजरात में जामनगर के नाम से जाना जाता है) के जाम साहब दिग्विजय ने युद्ध से भाग रहे 1,000 से अधिक पोलिश शरणार्थियों, जिनमें ज्यादातर बच्चे थे उन्हें राज्य में बालाचडी नामक स्थान पर शरण दी थी। कई साल तक उन्होंने सैकड़ों बच्चों का ख्याल रखा। इन्हीं शरणार्थियों में से एक बच्चा आगे चलकर पोलैंड का प्रधानमंत्री भी बना। पोलैंड में आज के समय में 8 स्कूलों के नाम जाम साहेब के नाम पर है। कई जगहों पर महाराजा का नाम पढ़ने को मिलता है. हर जगह लिखा है– दयावान महाराजा की श्रद्धांजलि में कृतज्ञ पोलैंड राष्ट्र। पोलैंड में भारतीय समुदाय की संख्या लगभग 25,000 है। इसमें लगभग 5,000 छात्र शामिल हैं।

शेख हसीना और 23 अन्य के खिलाफ बांग्लादेश के न्यायाधिकरण में एक और शिकायत दर्ज कराई गई

ढाका। बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण में मंगलवार को एक नयी शिकायत दर्ज कराई गई है, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और 23 अन्य पर मई 2013 में एक इस्लामी समूह द्वारा आयोजित रैली के दौरान मानवता के खिलाफ अपराध और नरसंहार करने का आरोप लगाया गया। 'द डेली स्टार' अखबार की खबर के अनुसार, उच्चतम न्यायालय के वकील गाजी एमएच तमीम ने हिफाजत–ए–इस्लाम के संयुक्त महासचिव (शिक्षा और कानून) मुफ्ती हारुन इजहार चौधरी की ओर से शिकायत दर्ज कराई है। अखबार ने जांच एजेंसी के उप निदेशक (प्रशासन) अताउर रहमान के हवाले से कहा, ''हमने शिकायत दर्ज कर ली है और आज से जांच शुरू कर दी गई है।'' उन्होंने कहा, ''जब हम प्रारंभिक जांच पूरी कर लेंगे और घटनास्थल का मौका मुआयना करेंगे और जब न्यायाधिकरण का पुनर्गठन हो जाएगा तो हम अभियोजन पक्ष के माध्यम से आरोपियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट के लिए अपील करेंगे।'' शिकायत में हसीना और 23 अन्य पर पांच मई 2013 को मोतीझील के शापला छतर में हिफाजत–ए–इस्लाम रैली के दौरान मानवता के खिलाफ अपराध और नरसंहार करने का आरोप लगाया गया है। यह अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण में दर्ज की गई चौथी शिकायत है, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री पर आरोप लगाया गया है। शेख हसीना ने सरकारी नौकरियों में विवादास्पद आरक्षण प्रणाली को लेकर उनकी सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर हुए विरोध प्रदर्शन के बाद पांच अगस्त को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और देश छोड़कर भारत आ गई थीं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।